RNI No. : TNHIN/2013/52520 ▪ वर्ष - 13 ▪ अंक - 285 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » गुरुवार » 14-05-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 खेड़ा के खिलाफ मेरी पत्नी के मामले में कानून अपना काम करेगा : शर्मा
6 साझा करने का विज्ञान है 'आर्ट ऑफ गिविंग'
7 मदद मांगना कमजोरी नहीं, हिम्मत की निशानी है : लीसा रे

फर्स्ट टेक

लेबनान में इजराइली ड्रोन हमले की चपेट में आए कई वाहन

बेरूत/एपी। लेबनान में बुधवार को सात वाहन इजराइली ड्रोन हमलों की चपेट में आए, जिससे महिला और उसके दो बच्चों सहित 12 लोगों की मौत हो गई। स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह जानकारी दी। राजधानी बेरूत के दक्षिण में मुख्य राजमार्ग पर तीन वाहन ड्रोन हमले की चपेट में आए। इजराइली सेना ने कहा कि उसने दक्षिणी लेबनान के कई इलाकों में हिज्बुल्ला के ठिकानों पर हमला किया।

भारत-यूएई एलपीजी, रणनीतिक तेल भंडार पर कर सकते हैं समझौता

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 15 मई को खाड़ी देश की यात्रा के दौरान भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) और रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए दो महत्वपूर्ण समझौतों को अंतिम रूप दे सकते हैं। आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को यह संभावना जताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की यूएई यात्रा का मुख्य उद्देश्य भारत की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करना है।

फिलीपीन संसद में सांसद की गिरफ्तारी की कोशिश के दौरान गोलीबारी

मनीला/एपी। फिलीपीन संसद के उच्च सदन में बुधवार रात उस समय गोलीबारी की घटना हुई, जब अधिकारियों ने एक सांसद को गिरफ्तार करने की कोशिश की है। एसोसिएटेड प्रेस के पत्रकार और प्रत्यक्षदर्शियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सांसद मानवता के खिलाफ अपराध के आरोप में अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय द्वारा वांछित है।

रंगासामी ने पांचवीं बार पुडुचेरी के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली

चेन्नई/भाषा। वरिष्ठ नेता और ऑल इंडिया एनआर कांग्रेस (एआईएनआरसी) के संस्थापक एन. रंगासामी ने पांचवीं बार पुडुचेरी के मुख्यमंत्री के रूप में बुधवार को शपथ ली। क्षेत्रीय पार्टी (एआईएनआरसी) नेता मल्लाडी कृष्णा राव और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता ए. नमस्सिवायम ने भी एआईएनआरसी के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार में मंत्री पद की शपथ ली। उपराज्यपाल के. कैलाशनाथन ने मुख्यमंत्री और उनके मंत्रिमंडल के सहयोगियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

सूर्यास्त 14-05-2026 6:26 बजे	सूर्योदय 15-05-2026 5:43 बजे
BSE 74,608.98 (+49.73)	NSE 23,412.60 (+33.05)
सोना 165,613 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 298,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

आम आदमी

छौंक या बगार ही लगाता आम जन रोज,
भर के कड़ाही कहो तेल कौन पीता है।
छोड़िए विदेशी मुद्रा देशी नहीं बच रही,
खाता अपने बैंक का भी दिख रहा रीता है।
यात्रा विदेश की हमारे है नसीब कहां,
चार धाम करने में युग एक बीता है।
कन्यादान के लिए थोड़ा सा सोना चाहिए था,
भाव देख दिल घूंट खून के ही पीता है।।

नीट पेपर लीक मामलाः

सीबीआई ने पांच लोगों को गिरफ्तार किया, प्रदर्शन तेज

- विरोध प्रदर्शन तेज होने के साथ ही शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग भी उठी
- कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस ने दावा किया कि गिरफ्तार किए गए कुछ लोग भाजपा से जुड़े हुए थे।
- तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय ने परीक्षा को समाप्त करने और राज्यों को कक्षा 12 के अंकों के आधार पर स्वयं सीटें भरने की अनुमति दी जाने की मांग की।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने नीट-यूजी पेपर लीक मामले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया है और देश भर में कई स्थानों पर तलाशी अभियान चला रहा है। परीक्षा रद्द किए जाने को लेकर विरोध प्रदर्शन तेज होने के साथ ही शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग भी उठी है।

नीट-यूजी 2026 परीक्षा के संचालन में ''प्रणालीगत विफलता' का आरोप लगाते हुए ऑल इंडिया मेडिकल एसोसिएशन फेडरेशन (एफएआईएमए) ने उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर की है और परीक्षा प्रणाली में सुधार का अनुरोध किया है।

इस मामले में राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का दौर भी शुरू हो गया, जिसमें कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस ने दावा किया कि गिरफ्तार किए गए कुछ लोग भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से जुड़े हुए थे।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय ने कहा कि पेपर लीक और परीक्षा रद्द होना व्यवस्थागत खामियों का प्रमाण है। उन्होंने मांग की कि इस परीक्षा को समाप्त किया जाए और राज्यों को कक्षा 12 के अंकों के आधार पर स्वयं सीटें भरने की अनुमति दी जाए।

सेमी-हाई-स्पीड ट्रेन परियोजना से

गुजरात विनिर्माण केंद्र के रूप में बदल जाएगा : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि 20,667 करोड़ रुपये की अहमदाबाद (सरखेज)-धोलेरा सेमी-हाई स्पीड दोहरी रेल लाइन परियोजना के लिए मंत्रिमंडल की मंजूरी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के देश को संपर्क, नवाचार और विनिर्माण के केंद्र में बदलने के दूरदर्शी लक्ष्य का एक सशक्त प्रमाण है।

शाह ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि यह परियोजना गुजरात को विनिर्माण और 'लॉजिस्टिक' के वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी, साथ ही साथ महत्वपूर्ण रोजगार भी सृजित करेगी।

उन्होंने कहा, ''यह मेरे लिए भी अत्यंत प्रसन्नता का विषय है कि यह परियोजना मेरे संसदीय क्षेत्र से होकर गुजरेगी। यह 134 किलोमीटर लंबी रेल लाइन अहमदाबाद को धोलेरा विशेष निवेश क्षेत्र (एसआईआर) और ग्रीनफील्ड औद्योगिक स्मार्ट सिटी से जोड़ेगी और नमो भारत ट्रेनों के लिए कनेक्टिविटी सुनिश्चित करेगी।

तमिलनाडु विश्वास प्रस्ताव

विजय सरकार ने विश्वास मत जीता

कांग्रेस, वाम दलों और अन्नाद्रमुक के बागियों ने दिया समर्थन

- सरकार के विरोध में 22 और पक्ष में 144 मत डाले गए।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु में चार दिन पुरानी, सी. जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) सरकार ने बुधवार को विधानसभा में विश्वास मत जीत लिया।

मुख्य विपक्षी दल द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के बहिर्गमन और अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) में विभाजन के बीच सरकार के विरोध में 22 और पक्ष में 144 मत डाले गए। राज्य की 234 सदस्यीय विधानसभा में बहुमत के लिए 118 मतों की आवश्यकता थी। सदन में मतों के विभाजन के दौरान मुख्यमंत्री विजय द्वारा पेश किए गए विश्वास प्रस्ताव के पक्ष में 144 मत पड़े, जबकि विरोध में 22 मत पड़े।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का एकमात्र विधायक और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का घटक दल पट्टाली मक्कल काची (चार विधायक) मतदान के दौरान तटस्थ रहे।

बहुमत की कमी के चलते सरकार की स्थिरता पर उठ रहे सवालों के बीच इस जीत ने पहली बार सत्ता में आई टीवीके सरकार को कामकाज सुचारू रूप से चलाने के लिए आवश्यक आत्मविश्वास प्रदान किया है। हालांकि, मुख्यमंत्री विजय सहित मंत्रियों को विभागों का आवंटन अभी किया जाना है।

नियमतः, अब अगले छह महीने तक विधानसभा में दोबारा शक्ति परीक्षण नहीं कराया जा सकेगा।

घोड़े की गति से काम करेगी तमिलनाडु सरकार : मुख्यमंत्री विजय

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने बुधवार को कहा कि उनकी सरकार घोड़े की गति से काम करते हुए पारदर्शी प्रशासन सुनिश्चित करेगी। उन्होंने आश्वासन दिया कि उनकी सरकार अल्पसंख्यकों, महिलाओं, बच्चों, युवाओं, किसानों और सरकारी कर्मचारियों के अधिकारों की पुरजोर तरीके से रक्षा करेगी और धर्मनिरपेक्षता, सामाजिक न्याय, पारदर्शिता व जन कल्याण के प्रति प्रतिबद्ध रहेगी।

राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर के निर्देशानुसार विधानसभा में पेश किए गए विश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान विजय ने कहा कि उनकी सरकार घोड़े की गति से विकास कार्य करेगी और गुपचुप तरीके से राजनीतिक सौदेबाजी में नहीं फंसेगी।

दरअसल एएमएमके के विधायक एस. कामराज और अन्नाद्रमुक के 25 विधायकों ने विधानसभा में टीवीके सरकार का समर्थन करने की घोषणा की है, जिसके बाद नेता प्रतिपक्ष उदयनिधि स्टालिन और अन्नाद्रमुक के नेता ई. के. पलानीस्वामी ने विधायकों की खरीद-फरोख्त (हॉर्स-ट्रेडिंग) के आरोप लगाए हैं।

इन आरोपों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए विजय ने उक्त टिप्पणियां कीं।

विजय ने कहा, यह सरकार घोड़े की गति से काम करेगी और यह हॉर्स-ट्रेडिंग में लिप्त नहीं है। पूरी गति से विकास किया जाएगा।

उत्तराखंड चिटफंड मामला :

सीबीआई ने 400 करोड़ की धोखाधड़ी के आरोप में पांच को गिरफ्तार किया

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने उत्तराखंड में करीब 400 करोड़ रुपए के एलयूसीसी चिटफंड 'घोटाले' के सिलसिले में कथित सरगना सहित पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक यह मामला लोनी अर्बन मल्टी-स्टेट क्रेडिट एंड थ्रिफ्ट को-ऑपरेटिव सोसाइटी (एलयूसीसी) से जुड़ी कथित अनियमितताओं से संबंधित है। आरोप है कि एलयूसीसी ने निवेशकों को अनियमित योजनाओं में पैसा जमा करने के लिए प्रलोभन दिया। संघीय एजेंसी के मुताबिक गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सुशील गोखरू, राजेंद्र सिंह बिष्ट, तरुण कुमार मौर्य, गौरव रोहिल्ला और ममता भंडारी के रूप में हुई है।

भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने चेताया

पश्चिम एशिया संकट लंबा खिंचने पर बढ़ सकते हैं पेट्रोल, डीजल के दाम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

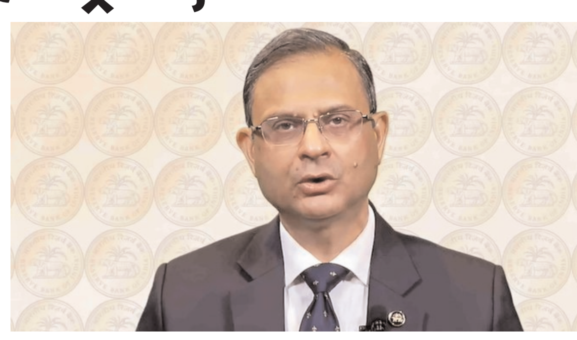

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा है कि अगर पश्चिम एशिया संकट लंबे समय तक जारी रहता है, तो सरकार को पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ानी पड़ सकती हैं।

मल्होत्रा ने स्विट्जरलैंड में मंगलवार को एक सम्मेलन में कहा कि सरकार वित्तीय मामलों में काफी सजग रही है और राजकोषीय मजबूती के रास्ते पर आगे बढ़ रही है।

पश्चिम एशिया संघर्ष और होर्मुज जलडमरूमध्य की नाकाबंदी ने तेल और गैस की आपूर्ति को बाधित कर दिया है। इससे ऊर्जा की कीमतें बढ़ गई हैं। उन्होंने कहा कि भारत ऊर्जा और उर्वरकों के आयात पर अत्यधिक निर्भर है और मौजूदा व्यवधानों का असर भारत पर पड़ना शुरू हो गया है।

आरबीआई गवर्नर ने संकट का जिक्र करते हुए कहा कि अगर यह लंबे समय तक जारी रहता है तो ''सरकार वास्तव में इन मूल्य वृद्धि का कुछ हिस्सा उपभोक्ताओं पर डाल सकती है। यह सिर्फ समय की बात है।'' सरकार ने 28 फरवरी को शुरू हुए पश्चिम एशिया संघर्ष के बावजूद पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में वृद्धि नहीं की है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पश्चिम एशिया संकट के मद्देनजर विदेशी मुद्रा बचाने के लिए ईंधन के विवेकपूर्ण उपयोग, सोने की खरीद और विदेश यात्रा को स्थगित करने जैसे उपायों का आह्वान किया है।

भारत हमेशा से एक हिंदू राष्ट्र रहा है, आरएसएस इसे नहीं बना रहा है : होसबाले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शीर्ष पदाधिकारी दत्तात्रेय होसबाले ने कहा है कि आरएसएस हिंदू राष्ट्र का निर्माण नहीं कर रहा है क्योंकि भारत हमेशा से ही एक हिंदू राष्ट्र रहा है। उन्होंने कहा कि गैर-हिंदू अलग नहीं हैं, क्योंकि सभी के पूर्वज और डीएनए एक ही है।

आरएसएस के सरकार्यवाह (महासचिव) होसबाले ने 'पीटीआई-भाषा' को दिये एक विशेष साक्षात्कार में कहा, ''यहां ब्रिटिश राज था, है ना? ब्रिटिश राज था... तब भी, यह एक हिंदू राष्ट्र था। यह ब्रिटिश राष्ट्र नहीं था।'' उन्होंने कहा कि देश में कई धार्मिक समूह हैं, जिन्हें अक्सर अल्पसंख्यक के रूप में वर्णित किया जाता है और उनमें से कोई भी द्वितीय श्रेणी का नागरिक नहीं है।

होसबाले ने कहा, ''आरएसएस के भीतर भी ऐसे कई लोग हैं जो इन धार्मिक समूहों से आते हैं और संघ स्वयंसेवक हैं। वे हमारे लिए दिखावे की वस्तु नहीं हैं।''

उनसे पूछा गया कि जब आरएसएस हिंदुत्व या हिंदू राष्ट्र की बात करता है तो संघ अल्पसंख्यकों को कैसे आश्वस्त करेगा कि वे भारत में सुरक्षित हैं।

होसबाले ने कहा कि आरएसएस की स्थापना के 100 साल बाद से ये सवाल अनगिनत बार पूछे जा चुके हैं। उन्होंने कहा, ''जब लोग कहते हैं कि डर है, तो मैं पूछता हूं कि क्या हुआ है? क्या मुसलमानों की संख्या कम हो गई है?'' उन्होंने कहा, ''क्या उन्हें भागना पड़ा? क्या उनके साथ द्वितीय श्रेणी के नागरिकों जैसा व्यवहार किया जाता है?''

होसबाले ने अपनी बात को पुष्ट करने के लिए महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश जैसे भाजपा शासित राज्यों का उदाहरण दिया। उन्होंने पूछा कि क्या सरकारी योजनाएं अन्य धर्मों के लोगों तक नहीं पहुंच रही हैं?

मुस्लिम समुदाय में राष्ट्रवादी नेता अब दुर्लभ हैं

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शीर्ष पदाधिकारी दत्तात्रेय होसबाले ने कहा है कि मुसलमानों में राष्ट्रवादी नेता अब दुर्लभ ही देखने को मिलते हैं क्योंकि नेताओं को तभी समर्थन मिलता है जब उनमें अलगाववादी प्रवृत्तियां होती हैं।

होसबाले ने पीटीआई-वीडियो के साथ एक विशेष साक्षात्कार में स्वीकार किया कि स्वतंत्रता संग्राम के दौरान राष्ट्रवादी मुस्लिम नेता थे और आज यदि मुस्लिम समुदाय में कुछ राष्ट्रवादी नेता हैं भी तो उन्हें समर्थन नहीं मिल पाता।

होसबाले से एआईएमआईएम नेता असदुद्दीन ओवैसी की हालिया टिप्पणी के बारे में पूछा गया था जिसमें उन्होंने कहा था कि मुसलमानों के लिए अपना नेतृत्व बनाने का समय आ गया है, यानी उन्हें अपनी पार्टी बनानी चाहिए क्योंकि उन्हें तथाकथित धर्मनिरपेक्ष दलों से न्याय नहीं मिल रहा है।

आरएसएस पदाधिकारी ने कहा, ''यह उन पर निर्भर करता है और उनके अपने धर्म के लोग इस पर कैसे प्रतिक्रिया देंगे, यह अभी देखना बाकी है।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन बात यह है कि मुसलमानों के बीच राष्ट्रवादी नेतृत्व, जो स्वतंत्रता संग्राम के दौरान मौजूद था... अब दुर्लभ हो गया है'' क्योंकि पाकिस्तान के निर्माण के बाद भारत में धीरे-धीरे राजनीतिक परिवर्तन हुए जिससे छद्म-धर्मनिरपेक्ष नीतियां बनीं।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने केरल के मुख्यमंत्री के चयन को लेकर बुधवार को अंतिम दौर की मंत्रणा की

केरल के मुख्यमंत्री का नाम तय, आज होगी घोषणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने 10 दिन के गहन मंथन के बाद केरल के अगले मुख्यमंत्री के नाम पर फैसला कर लिया है जिसकी घोषणा बृहस्पतिवार को की जाएगी।

पार्टी सूत्रों ने संकेत दिया है कि बृहस्पतिवार को तिरुवनंतपुरम विधायक दल की बैठक बुलाई जा सकती है जिसके बाद नेता के नाम का ऐलान किया जाएगा।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने केरल के मुख्यमंत्री के चयन को लेकर बुधवार को अंतिम दौर की मंत्रणा की और खरगे के आवास '10 राजा जी मार्ग पर दोनों नेताओं के बीच आधे घंटे से भी अधिक समय तक चर्चा हुई। बैठक के बाद कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने संवाददाताओं से कहा, कांग्रेस विधायक दल ने नेता चुनने के लिए नेतृत्व को अधिकृत किया था। आलाकमान ने चर्चा पूरी कर ली है और फैसले के बारे में कल घोषणा की जाएगी।

संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, पिछली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रहे वी.डी. सतीशन और वरिष्ठ नेता रमेश चेन्निथला मुख्यमंत्री पद के प्रमुख दावेदार हैं।

संस्कारों की पाठशाला होती है ज्ञानशाला : साध्वीश्री पावनप्रभा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के त्यागराजनगर स्थित राकेशकुमार रायसोनी के निवास पर साध्वीश्री पावनप्रभाजी के सान्निध्य में मंगलवार को ज्ञानशाला शिविर का आयोजन हुआ। शिविर में ज्ञानर्थियों ने परिक्रमा, नमस्कार महामंत्र की एक छोटी सी प्रस्तुति दी, जिसमें नमस्कार महामंत्र के प्रत्येक पद के गुणों को विस्तार से बताया गया। साध्वीश्री पावनप्रभाजी ने ज्ञानार्थियों और प्रशिक्षिकाओं को कहा कि बचपन एक सुनहरा स्वर्णिम अवसर है। बच्चे स्कूली शिक्षा के साथ-साथ ज्ञानशाला में भी संस्कारों का अर्जन करने आते हैं।

जो बच्चे संस्कारी होते हैं वही बच्चे आगे जाकर अच्छे इंसान बनते हैं, इसलिए अभिभावकों को चाहिए कि वे अपने अपने बच्चों को ज्ञानशाला जरूर भेजे ताकि बच्चों में संस्कारों का बीजारोपण हो सके। साध्वीश्री आत्मयशाजी व अन्य दो प्रशिक्षिकाओं ने शिविर ने शामिल 16 ज्ञानार्थियों को स्मृति विकास के अनेक प्रयोग करवाए।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

आमंत्रण

बेंगलूरु के कांठा प्रांत जैन ट्रस्ट द्वारा तीन दिवसीय क्रिकेट स्पर्धा 'केपीपीएल सीजन 8 मोतीलाल मुणोत कप' के मुख्य प्रायोजक मारुति मेडिकल के महेन्द्र मुणोत को कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रित करते हुए ट्रस्ट के अध्यक्ष उत्तमचंद कोठारी एवं सचिव सिद्धार्थ बोहरा।

देश की अर्थव्यवस्था में 2030 तक 500 अरब डॉलर का योगदान देगा एआई : रिपोर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कृत्रिम मेधा (एआई) में 2030 तक भारत की अर्थव्यवस्था में 500 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक योगदान देने की क्षमता है। यह जानकारी आईबीएम और इंडियाएआई की संयुक्त रिपोर्ट में दी गई।

'फ्रॉम प्रॉमिस टू पावर: हाउ एआई इज रीडिफाइनिंग इंडियाज इकॉनमिक फ्यूचर' शीर्षक वाली यह रिपोर्ट विभिन्न उद्योगों एवं संगठनों के 1,500 भारतीय अधिकारियों के सर्वेक्षण और 405 भारतीय अधिकारियों के साथ किए गए एक त्वरित सर्वेक्षण पर आधारित है। रिपोर्ट में पाया गया कि सर्वेक्षण में शामिल 80 प्रतिशत भारतीय कारोबारी प्रमुखों का मानना है कि एआई में निवेश देश की जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) वृद्धि को सीधे प्रभावित करेगा। रिपोर्ट में कहा गया, '' एआई 2030 तक भारत की अर्थव्यवस्था में 500 अरब डॉलर से अधिक (करीब 47.81 लाख करोड़ रुपए) का योगदान कर सकता है, जिससे देश दुनिया की सबसे गतिशील एआई-चालित अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो सकता है। बहुत कम देश भारत जैसे पैमाने, डिजिटल क्षमता एवं महत्वाकांक्षा के साथ एआई युग में प्रवेश कर रहे हैं।'' रिपोर्ट के अनुसार, करीब 73% भारतीय अधिकारियों का मानना है कि 2030 तक भारत एआई क्षेत्र में अग्रणी देश होगा।

व्रत को धारण करते ही हम अनावश्यक पाप कर्मों के बंधन से बच जाते हैं : डॉ. पदमचंद्रमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गणेशबाग में गतिमान 15 दिवसीय आत्म आराधना उपधान प्रथम सोपान में आचार्यश्री पार्श्वचंद्रजी ने आराधकों को संबोधित करते हुए कहा कि नवकार महामंत्र में पांच पद हैं और 35 अक्षर हैं लेकिन इनमें पूरे 14 पूर्व भवों के ज्ञान का सार समाया हुआ है। जिसके पास 14 पूर्व का ज्ञान प्राप्त करने का समय नहीं है, इतना विशाल ज्ञान प्राप्त करने जितना आयुष्य नहीं है वह नवकार मंत्र के माध्यम से 14 पूर्व का सार पा लेता है। नवकार मंत्र का आराधक अरिहंत परमात्मा की शरण को प्राप्त करता है और वह संसार के समस्त विघ्न बाधाओं से निर्भय हो जाता है। अरिहंत पद हमें सारे कर्मों से मुक्त होने की प्रेरणा देता है।संतश्री पदमचंद्रमुनिजी ने जीवन में व्रत आराधना का महत्व प्रतिपादित करते हुए 12 अणुव्रत में तीसरे व्रत अचौर्य अणुव्रत का विवेचन करते हुए कहा कि श्रावक को चोर की चुराई हुई वस्तु भी नहीं लेना चाहिए और न ही किसी चोर की सहायता करनी चाहिए। राष्ट्र के विरुद्ध कोई प्रवृत्ति नहीं करनी चाहिए।

कम नापतोल एवं मिलावट खोरी से भी चोरी का पाप लगता है। धर्म आराधना करने वाला व्रतनिष्ठ व्यक्ति उपरोक्त किसी भी प्रकार की चोरी से दूर रहता है। अचौर्य व्रत राष्ट्र में एक दूसरे के प्रति विश्वास का वातावरण निर्माण करता है एवं सभी को समृद्धि के मार्ग पर बढ़ाता है।

जयकलशमुनिजी एवं जयसुबोधमुनिजी ने भी संयम की महानता दर्शाती प्रेरक गीतिका प्रस्तुत की। प्रात: काल में समणी निदेशिका डॉ. सुयशनिधिजी ने आराधकों को अणुप्पेहा ध्यान साधना का प्रशिक्षण दिया। आयोजन के संयोजक राजेंद्रकुमार नाहर ने बताया कि आराधकों ने आराधना की क्रियाएं संपन्न की। सहसंयोजक कोमलचंद धोका, जयमल जैन श्रावक संघ बेंगलूरु शाखा के अध्यक्ष मीठालाल लोढा, श्रेयांस पारणा समिति के चेयरमैन रमेशचंद सियाल सहित अनेक पदाधिकारियों ने व्यवस्था सँभाली।संचालन मनोहरलाल डूंगरवाल ने किया।

प्रधानमंत्री ने मंत्रिमंडल सहकर्मियों से सोच-समझकर खर्च करने, ईंधन व्यय कम करने का आग्रह किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आयात खर्च घटाने के लिए पेट्रोलियम पदार्थों का उपयोग कम करने, सोने की खरीद बंद करने और अन्य उपायों के लिए जनता से की गई अपील के बाद, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को अपने मंत्रिमंडल सहकर्मियों से पेट्रोलियम पदार्थों सहित अनावश्यक खर्चों में कटौती करने का आग्रह किया। सूत्रों ने यह जानकारी दी।

प्रधानमंत्री ने अपनी अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक के दौरान मंत्रियों से कहा कि पश्चिम एशिया संकट के मद्देनजर उन्हें लागत में कटौती पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए और संसाधन खर्च में समझदारी से कमी लानी चाहिए।

सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री ने मंत्रियों से अपने काफिले के आकार और विदेश यात्राओं में कटौती करने का भी आग्रह किया, जिसके बाद कई मंत्रियों ने इस संबंध में कदम उठाने की घोषणा की। जनता से ईंधन की खपत कम करने और अधिक समझदारी से खर्च करने की अपील करने के कुछ दिन बाद प्रधानमंत्री मोदी ने स्वयं अपने काफिले का आकार काफी कम कर दिया जिसके बाद भाजपा शासित राज्यों के कई मुख्यमंत्रियों और अन्य नेताओं ने भी इस दिशा में कदम उठाने की घोषणा की।

प्रधानमंत्री की अपील के बाद उद्योग की देश में पर्यटन को बढ़ावा देने के उपायों की मांग

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीयों से एक साल के लिए गैर-ज़रूरी विदेश यात्रा टालने की अपील की है। इस पर यात्रा उद्योग के अधिकारियों ने कहा कि यह 'अतुल्य भारत' विपणन अभियान को फिर से शुरू करने और ज़्यादा से ज़्यादा विदेशी यात्रियों को आकर्षित करने का एक बेहतरीन मौका है, जिससे देश को कीमती विदेशी मुद्रा कमाने में मदद मिल सकती है।

यात्रा बुकिंग एग्रीगेटर इक्सिगो के समूह मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) आलोक बाजपेयी ने पीटीआई-भाषा से कहा कि जब तक पश्चिम एशिया का संकट हल नहीं हो जाता, ''उड़ानों के अंतरराष्ट्रीय कारोबार पर सभी के लिए, कुछ असर ज़रूर पड़ेगा।''

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की खर्च में कटौती की अपील एक बहुत बड़ा मौका है, क्योंकि जहां एक तरफ भारतीय विदेश जाकर अंतरराष्ट्रीय यात्रा पर पैसे खर्च कर रहे थे, वहीं दूसरी तरफ देश को स्थानीय पर्यटन से उतनी विदेशी मुद्रा नहीं मिल पा रही थी।

जम्मू कश्मीर में मादक पदार्थों के खिलाफ अभियान अब क्रांति का रूप ले रहा है : उपराज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

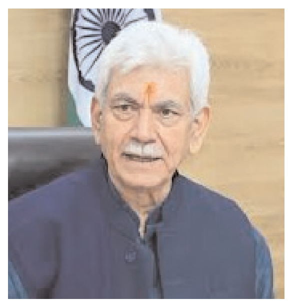

श्रीनगर/भाषा। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बुधवार को कहा कि जम्मू कश्मीर में मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए गए अभियान ने मादक पदार्थों की तस्करी के तंत्र को करारा झटका दिया है और यह जन आंदोलन मादक पदार्थों के खिलाफ क्रांति में तब्दील हो रहा है।

'नशा मुक्त जम्मू कश्मीर अभियान' नामक यह मुहिम बुधवार को उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में पहुंची जहां सिन्हा ने सरकारी बॉयज हायर सेकेंडरी स्कूल से कुपवाड़ा के मुख्य चौक तक पदयात्रा का नेतृत्व किया। छात्रों सहित बड़ी संख्या में लोगों ने इस पदयात्रा में भाग लिया।

सिन्हा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, कुपवाड़ा में आज मैंने 'नशा मुक्त जम्मू कश्मीर अभियान' के तहत पदयात्रा में भाग लिया और एक सभा को संबोधित किया। पिछले 32 दिनों में हमने मादक पदार्थों की तस्करी के पूरे तंत्र को करारा झटका दिया है और यह जन आंदोलन मादक पदार्थों के खिलाफ क्रांति में बदल रहा है। उन्होंने कहा कि प्रशासन द्वारा की जा रही निरंतर कार्रवाई से 'नार्को आतंकवादी तंत्र' पंगु हो रहा है। उन्होंने कहा, करोड़ों की संपत्ति जब्त की गई है, परिसंपत्तियां कुर्क की गई हैं और 15 तस्करों के पासपोर्ट रद्द करने की सिफारिश की गई है। 730 से अधिक तस्करों और मादक पदार्थ तस्करों को गिरफ्तार किया गया है।

इस अभियान की शुरुआत जम्मू में 11 अप्रैल को उपराज्यपाल के नेतृत्व में एम. ए. स्टेडियम से एक विशाल पदयात्रा निकालने के साथ की गयी थी।

बिना आरोप, प्राथमिकी के बैंक खाते पर नहीं लग सकती रोक: उच्च न्यायालय

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा है कि बैंक खाता किसी व्यक्ति के आर्थिक अस्तित्व का मूल आधार है और खाताधारक के खिलाफ कोई आरोप, प्राथमिकी (एफआईआर) या न्यायिक आदेश न होने पर उस खाते पर रोक नहीं लगाई जा सकती है।

न्यायमूर्ति पुरुषेंद्र कुमार कौरव ने गुजरात साइबर क्राइम पुलिस की शिकायत पर एक निजी बैंक में एक व्यक्ति के खाते पर रोक लगाने (फ्रीज) से संबंधित याचिका पर सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की। यह रोक नवंबर, 2024 में लगाई गई थी।

उच्च न्यायालय ने बैंक को खाते पर लगी रोक 'तत्काल प्रभाव से हटाने' का निर्देश देते हुए कहा कि याचिकाकर्ता को किसी अपराध से जोड़ने वाला कोई ठोस साक्ष्य नहीं है, लिहाजा उसके खाते पर रोक लगाना पूरी तरह मनमाना था और कानून की कसौटी पर टिक नहीं सकता। अदालत ने चार मई के अपने आदेश में कहा कि गुजरात पुलिस की ओर से कोई ठोस आधार प्रस्तुत नहीं किए जाने के कारण खाते को लगातार जब्त रखना उचित नहीं है।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने 2027 के नासिक-त्र्यंबकेश्वर कुंभ मेले के लिए लोगो का अनावरण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने 2027 में होने वाले नासिक-त्र्यंबकेश्वर सिंहस्थ कुंभ मेले के लिए बुधवार को आधिकारिक लोगो का अनावरण किया और कहा कि उनकी सरकार श्रद्धालुओं और संतों के लिए पर्याप्त सुविधाओं के साथ एक 'भव्य और दिव्य' कुंभ मेले के आयोजन की तैयारी कर रही है।

फडणवीस ने कहा कि सरकार हर 12 साल में होने वाले आध्यात्मिक समागम के सुचारू आयोजन को सुनिश्चित करने के लिए अखाड़ों और धर्मगुरुओं के साथ समन्वय में काम कर रही है। उन्होंने कहा, ''हमने कुंभ मेले की तैयारियों पर एक प्रस्तुति दी। संतों और महंतों ने कई सुझाव दिए, जिन्हें गंभीरता से लिया गया है और अधिकारियों को उनपर अमल करने के निर्देश दिए गए हैं।'' मुख्यमंत्री ने मुंबई में एक कार्यक्रम में नासिक-त्र्यंबकेश्वर कुंभ मेले के लोगो का अनावरण करने और 13 प्रमुख अखाड़ों के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा करने के बाद ये बातें कहीं। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, मुख्यमंत्री फडणवीस ने सह्याद्री गेस्ट हाउस में उपमुख्यमंत्रियों- एकनाथ शिंदे और सुनेत्रा पवार- की उपस्थिति में लोगो का अनावरण किया। कुंभ मेला प्राधिकरण, 'मायजीओवी' और एसोसिएशन ऑफ डिजाइनर्स ऑफ इंडिया द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एक राष्ट्रव्यापी प्रतियोगिता के माध्यम से इस लोगो के डिजाइन का चयन किया गया था।

विज्ञप्ति के अनुसार, 20 नवंबर से 20 दिसंबर 2025 के बीच आयोजित प्रतियोगिता के दौरान कुल 3,067 प्रविष्टियां प्राप्त हुईं, जिनमें 70 अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागियों की प्रविष्टियां भी शामिल थीं।

प्रसून जोशी समेत प्रख्यात डिजाइन विशेषज्ञों की एक समिति ने विजेता डिजाइन का चयन किया। सुमित काटे ने तीन लाख रुपए का प्रथम पुरस्कार जीता, जबकि मयंक नायक ने दो लाख रुपए का दूसरा और पीयूष पिंपलनेरकर ने एक लाख रुपए का तीसरा पुरस्कार प्राप्त किया।

जैन साधर्मिक सेवा संघ ने आयोजित की पांच दिवसीय तीर्थ व गुरु दर्शन यात्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु । स्थानीय जैन साधर्मिक सेवा संघ की ओर से आयोजित पंच दिवसीय तीर्थ सह गुरु दर्शन यात्रा मंगलवार को सम्पन्न हुई। इस संघ यात्रा में करीब 300 श्रद्धालु शामिल हुए। यात्रियों ने अहिल्यानगर (अहमदनगर) में आनंद धाम की तीर्थ यात्रा कर संतश्री कुंदनऋषिजी एवं आलोकऋषिजी का प्रवचन श्रवण किया। इसके बाद शनि शिगनापुर, शिरड़ी में साईं बाबा के दर्शन किए। यात्रा संघ ने औरंगाबाद पहुंच कर मिश्रीधाम के दर्शन किए तथा साध्वीश्री सुशीलाकवंरजी और पारसमुनिजी के प्रवचन का श्रवण किया।

शाम को गुरु मिश्री धाम में भक्ति कार्यक्रम का आयोजन हुआ। यात्रियों ने जालना में महासाध्वी श्रीसत्यसाधनाजी, जयश्रीजी और चैतन्याश्रीजी के दर्शन कर प्रवचन श्रवण किए। इस मौके पर गाय को राष्ट्रमाता का दर्जा देने की मांग को लेकर एक बैनर का विमोचन किया गया।

यात्रियों ने गणेश धाम मोकलवाड़ी बदनापुर पहुंच कर साध्वीश्री प्रतिभाश्रीजी के दर्शन कर प्रवचन सुने। शाम में जालना गुरु गणेश तपोधाम में दर्षित गादिया, अंकित लोढ़ा व उनकी टीम ने भक्ति का कार्यक्रम आयोजित किया। जैन साधर्मिक सेवा संघ की ओर से सभी यात्रियों का सम्मान किया गया। इसके बाद अंतरिक्ष पार्श्वनाथ तीर्थ , हैदराबाद के कुलपाक तीर्थ के दर्शन कर वापस बेंगलूरु पहुंचे। आशीष बाफना व उनकी टीम ने तीर्थ व गुरु दर्शन यात्रा संघ की व्यवस्था संभाली। बेंगलूरु रेलवे स्टेशन पर सभी यात्रियों के समक्ष गौतमचंद धारीवाल ने गुरु सेवा समिति के कार्याध्यक्ष आशीष बाफना का सम्मान किया। तीर्थ यात्रा के सभी प्रायोजकों को धन्यवाद दिया गया।

केंद्रीय कृषि मंत्री का पंजाब के मुख्यमंत्री से फसल विविधीकरण पर ध्यान देने का आग्रह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बुधवार को यहां मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के साथ हुई एक बैठक में पंजाब में धान-केंद्रित खेती के विकल्पों को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर जोर दिया। चौहान ने कहा, ''आज की बैठक बहुत ही सकारात्मक, रचनात्मक और समाधान-उन्मुख रही, जिसमें कई मुद्दों पर चर्चा हुई और फसल विविधीकरण सबसे महत्वपूर्ण विषय के रूप में सामने आया।''

पंजाब की ज़मीन इतनी उपजाऊ और उत्पादक है कि धान के व्यावहारिक विकल्प के तौर पर कई दूसरी फसलों की सफलतापूर्वक खेती की जा सकती है। कृषि मंत्रालय के बयान के अनुसार, चौहान ने कहा, ''इस समय की सबसे बड़ी जरूरत यह है कि धान-केंद्रित खेती के विकल्पों को जोर-शोर से बढ़ावा दिया जाए, ताकि पंजाब को पानी की कमी और मिट्टी के खराब होने जैसे आसन्न संकटों से बचाया जा सके।'' उन्होंने कहा कि पंजाब, जिसे ऐतिहासिक रूप से ''पांच नदियों की धरती'' के रूप में जाना जाता है, उसे एक जल-समृद्ध क्षेत्र के रूप में संरक्षित किया जाना चाहिए, इसलिए जल संरक्षण की दिशा में ठोस कदम उठाना अत्यंत आवश्यक है। इस मुद्दे पर मिलकर आगे बढ़ने के लिए केंद्र सरकार और पंजाब के बीच व्यापक सहमति बन गई है। चौहान ने कहा कि केंद्र सरकार पूरी संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता के साथ काम करेगी, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि पंजाब को विभिन्न केंद्रीय योजनाओं का अधिकतम लाभ मिल सके।

भारत, चिली ने व्यापार समझौते पर वार्ता की प्रगति की समीक्षा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत और दक्षिण अमेरिकी देश चिली ने प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को लेकर जारी वार्ताओं की प्रगति की बुधवार को समीक्षा की और इसे जल्द अंतिम रूप देने के तौर-तरीकों पर चर्चा की। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई।

बयान के अनुसार, चिली के विदेश मामलों के मंत्री फ्रांसिस्को पेरेज मैक्केना ने वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल से मुलाकात की। चिली के मंत्री यहां एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) को जल्द अंतिम रूप देने के तौर-तरीकों पर चर्चा के अलावा दोनों पक्षों ने कारोबार सुगमता, बाजार पहुंच, निवेश प्रोत्साहन और आर्थिक सहयोग को मजबूत करने से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर भी विचार-विमर्श किया। दोनों देशों ने महत्वपूर्ण खनिज, नवीकरणीय ऊर्जा, कृषि कारोबार, बुनियादी ढांचा, दवा, डिजिटल सेवाएं, लॉजिस्टिक और उन्नत विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के उपायों पर भी चर्चा की।

सरकार ने कोयला गैसीकरण को बढ़ावा देने के लिए 37,500 करोड़ रुपए की योजना को मंजूरी दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र सरकार ने बुधवार को कोयले से गैस बनाने वाली परियोजनाओं को बढ़ावा देने के लिए 37,500 करोड़ रुपए की प्रोत्साहन योजना को मंजूरी दी। इसका उद्देश्य स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन बढ़ाना और एलएनजी, यूरिया एवं मेथनॉल जैसे आयातित उत्पादों पर निर्भरता को कम करना है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में इस योजना को मंजूरी दी गई। यह योजना सतही कोयला और लिग्नाइट गैसीकरण परियोजनाओं को प्रोत्साहित करने के लिए लाई गई है। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि इस योजना के लिए 37,500 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है और इसके जरिये करीब 2.5 से तीन लाख करोड़ रुपए का निवेश आकर्षित होने की उम्मीद है। इसके तहत 7.5 करोड़ टन कोयले के गैसीकरण से जुड़ी परियोजनाएं शुरू की जाएंगी। कोयला गैसीकरण वह प्रक्रिया है, जिसमें ठोस ईंधन को 'कृत्रिम गैस' (सिनगैस) में बदला जाता है। इस गैस का उपयोग वैकल्पिक ईंधन के रूप में होता है और इससे कार्बन उत्सर्जन में कमी आती है। सिनगैस के जरिये मेथनॉल, उर्वरक, हाइड्रोजन और विभिन्न रसायनों का उत्पादन संभव होता है।

सरकार का लक्ष्य 2030 तक 10 करोड़ टन की कोयला गैसीकरण क्षमता हासिल करने का है। यह योजना सतही कोयला और लिग्नाइट गैसीकरण परियोजनाओं में तेजी लाने, एलएनजी, यूरिया, अमोनियम नाइट्रेट, अमोनिया और कोकिंग कोयले जैसे महत्वपूर्ण आयातित संसाधनों पर निर्भरता कम करने और घरेलू संसाधनों के बेहतर उपयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लाई गई है। केंद्रीय मंत्री ने मौजूदा भू-राजनीतिक परिस्थितियों का जिक्र करते हुए कहा, ''आत्मनिर्भरता की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। इस संदर्भ में कोयला गैसीकरण पर एक बड़ा फैसला लिया गया।'' वैष्णव ने कहा, फिलहाल एलएनजी का 50 प्रतिशत से अधिक आयात किया जाता है, जिसे कम किया जाएगा। जो यूरिया हम आयात करते हैं, उसका उत्पादन भी अब देश में शुरू होगा। अमोनिया का अभी 100% आयात होता है, लेकिन इस पहल से इसके घरेलू उत्पादन के नए रास्ते खुलेंगे। मेथनॉल का भी 80-90 प्रतिशत आयात किया जाता है, जिसे अब देश में ही बनाया जाएगा। योजना के तहत संयंत्र एवं मशीनरी की लागत पर अधिकतम 20% तक वित्तीय प्रोत्साहन दिया जाएगा।

नीट पेपर लीक : सीबीआई ने एनटीए मुख्यालय का दौरा किया, आरोपियों को हिरासत में लिया गया

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की टीम ने बुधवार को राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के मुख्यालय का दौरा किया जहां उसने नीट-यूजी परीक्षा से संबंधित दस्तावेज एकत्र किए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) पेपर लीक के आरोपों के बाद रद्द कर दी गई।

सीबीआई की टीम ने जांच प्रक्रिया में शामिल अधिकारियों से भी बात की। एजेंसी ने उन कई संदिग्धों को हिरासत में लिया है जिन्हें राज्य पुलिस ने पेपर लीक मामले के संबंध में गिरफ्तार किया था।

नासिक जिले के नंदगांव निवासी शुभम खैरनार (30) को स्थानीय मजिस्ट्रेट अदालत ने सीबीआई की 'ट्रांजिट रिमांड' पर भेज दिया है। राजस्थान पुलिस के अनुरोध पर नासिक पुलिस ने मंगलवार को खैरनार को हिरासत में लिया था।

अधिकारियों के अनुसार, राजस्थान पुलिस द्वारा हिरासत में लिए गए कई संदिग्धों से सीबीआई ने भी इस मामले के संबंध में पूछताछ की।

एजेंसी एक मैसेजिंग ऐप पर मौजूद उन समूहों की भी जांच कर रही है, जिन पर ये प्रश्नपत्र कई व्यक्तियों को भेजे गए थे।

सीबीआई ने नीट यूजी के कथित प्रश्नपत्र लीक मामले में प्राथमिकी दर्ज कर जांच के लिए टीम गठित की थीं। पेपर लीक के परिणामस्वरूप तीन मई को आयोजित परीक्षा रद्द कर दी गई थी।

नीट-यूजी 2026 का आयोजन भारत के 551 शहरों और विदेशों में स्थित 14 केंद्रों पर किया गया था। इस परीक्षा के लिए लगभग 23 लाख उम्मीदवारों ने पंजीकरण कराया था, जिसका संचालन एनटीए द्वारा देश भर के केंद्रों पर किया गया था।

अन्नाद्रमुक सदस्यों के 'क्रॉस वोटिंग' करने से विजय सरकार के पक्ष में 144 मत पड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक)के 25 बागी सदस्यों द्वारा 'क्रॉस-वोटिंग' किये जाने के बाद सी जोसेफ विजय नीत सरकार के पक्ष में मतों की संख्या 144 तक पहुंच गई, जो विधानसभा में बहुमत साबित करने के लिए आवश्यक जादुई आंकड़े 118 से कहीं अधिक है। हालांकि, विपक्षी सदस्यों ने विश्वास प्रस्ताव के दौरान विधायकों की खरीद-फरोख्त के आरोप लगाए।

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) विधायक उदयनिधि स्टालिन ने कहा कि टीवीके सरकार 'उधार' के सहयोगियों के सहारे और अन्नाद्रमुक को विभाजित करके सत्ता में आई है। मुख्यमंत्री विजय द्वारा पेश विश्वास प्रस्ताव के दौरान पूर्व राज्य मंत्रियों एस पी वेलुमणि और सी वे षनमुगम सहित अन्नाद्रमुक के 25 विधायकों ने तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) सरकार के समर्थन में मतदान किया। विश्वास प्रस्ताव के दौरान टीवीके के पास सदन में प्रभावी तरीके से 105 विधायक थे।

अम्मा मक्कल मुनेत्र कषगम (एएमएमके) के एकमात्र विधायक एस कामराज ने भी सरकार के पक्ष में मतदान किया। उन्हें पार्टी प्रमुख टी टी वी दिनाकरन ने टीवीके का समर्थन करने के लिए 12 मई को पार्टी से निष्कासित कर दिया था। अन्नाद्रमुक के महासचिव एडप्पाडी के पलानीस्वामी का समर्थन कर रहे 21 विधायकों और स्वयं पलानीस्वामी ने टीवीके सरकार के खिलाफ मतदान किया, जबकि पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) के चार विधायकों और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एकमात्र सदस्य मतदान में शामिल नहीं हुए। द्रमुक के सभी 59 विधायकों और उसकी सहयोगी देसिया मुरपोक्कू द्रविड़ कषगम (डीएमडीके) की विधायक प्रेमलता विजयकांत ने सदन से बहिर्गमन किया। मुख्यमंत्री विजय ने बाद में विधायकों की 'खरीद-फरोख्त' के आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि उनकी सरकार पर्दे के पीछे राजनीतिक सौदेबाजी में संलिप्त होने के बजाय विकास प्रदान करने के लिए पूरी गति से काम करेगी। विधानसभा अध्यक्ष की जिम्मेदारी निभाने की वजह से जेसीडी प्रभाकर, अदालती मामले के कारण आर श्रीनिवास सेतुपति और मुख्यमंत्री द्वारा तिरुचिरापल्ली पूर्व निर्वाचन क्षेत्र खाली करने के कारण टीवीके की विधानसभा में मतदान के लिए प्रभावी संख्या 105 रह गई। हालांकि, ' क्रॉस-वोटिंग' की वजह से नवगठित सरकार को 144 मत मिले जो बहुमत के लिए आवश्यक 118 संख्या से कहीं अधिक है।

मतदान से पहले, पलानीस्वामी ने विधानसभा द्वारा मुख्यमंत्री की ओर से पेश 'विश्वास प्रस्ताव' पर चर्चा के लिए अन्नाद्रमुक के बागी विधायक एस पी वेलुमणि को आमंत्रित करने पर आपत्ति जताई और कहा कि उनकी पार्टी ने अकेले दम पर 47 सीटें जीती हैं। पलानीस्वामी ने कहा, ''लोगों ने दो पत्ती के चिह्न पर हमें वोट दिया। मेरे द्वारा पार्टी महासचिव के रूप में यह घोषणा करने के बाद कि हम इस प्रस्ताव पर सरकार के खिलाफ मतदान करेंगे, उन्हें बोलने के लिए आमंत्रित करना उचित नहीं है।''

विधानसभाध्यक्ष ने इस पर कहा कि सदस्यों को बोलने के लिए बुलाना उनका विशेषाधिकार है और उन्होंने वेलुमणि को अपना संबोधन जारी रखने के लिए कहा। हालांकि, पलानीस्वामी का समर्थन करने वाले अन्नाद्रमुक सदस्य विरोध करने के लिए खड़े हो गए, जबकि वेलुमणि ने अप्रत्यक्ष रूप से कहा कि अन्नाद्रमुक टीवीके का समर्थन करेगी। पलानीस्वामी ने अपना विरोध दर्ज कराते हुए सवाल किया कि पार्टी में मतभेद होने के बावजूद मुख्यमंत्री पार्टी नेता की जानकारी के बिना अन्नाद्रमुक के एक विधायक के घर जाने का फैसला कैसे कर सकते हैं।

अन्नाद्रमुक ने कहा, ''टीवीके ने स्वच्छ प्रशासन का वादा किया है। विधानसभा चुनाव में केवल 34 प्रतिशत लोगों ने टीवीके को वोट दिया जबकि बाकी लोगों ने अन्य पार्टियों को वोट दिया।'' अन्नाद्रमुक नेता ने दावा किया कि खबरों से संकेत मिलता है कि उनकी पार्टी के कुछ विधायकों को मंत्री पद और सरकारी पदों का प्रलोभन दिया गया है। कांग्रेस के पांच सदस्यों, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा),मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा), विदुथलाई चिरुथइगल काची (वीसीके) और इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) के दो-दो सदस्यों ने सरकार के पक्ष में मतदान किया, जबकि द्रमुक के 59 विधायकों और डीएमडीके के एक सदस्य ने मतदान के समय बहिर्गमन किया।

उदयनिधि स्टालिन ने टीवीके सरकार पर तीखे हमले करते हुए कहा कि सभी लोगों ने टीवीके को वोट नहीं दिया। उन्होंने कहा कि कुल 4.93 करोड़ मतों में से टीवीके को केवल 1.72 करोड़ वोट मिले, जबकि शेष 65 प्रतिशत वोट टीवीके के खिलाफ पड़े।

वामपंथी दलों, वीसीके और आईयूएमएल ने राज्य में राष्ट्रपति शासन को रोकने के लिए टीवीके को बिना शर्त समर्थन दिया है।

उदयनिधि ने 12 मई को सी वे षनमुगम के घर विजय के जाने का जिक्र कर कटाक्ष किया, ''आपने विधायक को उनकी पार्टी नेतृत्व को सूचित किए बिना अपने पक्ष में वोट दिलवाकर अन्नाद्रमुक को विभाजित कर दिया। विडंबना यह है कि पहले एक घर में सोफा जाता है, फिर मुख्यमंत्री उस घर में जाते हैं... लोग सोच रहे हैं कि क्या इस राजनीतिक बदलाव के पीछे कोई लेन-देन हुआ था।'' उन्होंने टिप्पणी की कि टीवीके सरकार द्रमुक के ''उधार'' के सहयोगियों और ''अन्य' (अन्नाद्रमुक के संदर्भ में हालांकि, नाम नहीं लिया) लोगों की मदद से चल रही है।

अन्नाद्रमुक और टीवीके का वैचारिक एजेंडा समान, इसीलिए उसका समर्थन किया : बागी नेता षणमुगम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के बागी नेता सी वी षणमुगम ने बुधवार को यहां दावा किया कि तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) और अन्नाद्रमुक का वैचारिक एजेंडा समान है, दोनों द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) को एक बुरी ताकत के रूप में देखते हैं और इसी कारण विपक्षी दल के विधायकों के एक वर्ग ने सदन में बहुमत परीक्षण में सरकार का समर्थन किया।

तमिलनाडु विधानसभा में बहुमत परीक्षण के बाद पत्रकारों से बात करते हुए, षणमुगम ने अन्नाद्रमुक महासचिव एडप्पाडी के पलानीस्वामी के इस दावे को खारिज कर दिया कि सी जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली टीवीके सरकार का समर्थन करने के बदले उन्हें मंत्री पद मिलेंगे।

षणमुगम और एक अन्य वरिष्ठ नेता एस पी वेलुमणि के समर्थन में एकजुट हुए 25 अन्नाद्रमुक विधायकों के क्रॉस-वोटिंग से टीवीके सरकार को 234 सदस्यीय सदन में बहुमत में उल्लेखनीय सुधार हुआ और उसे 144 विधायकों का समर्थन मिल गया।

द्रमुक ने सदन से बहिर्गमन किया, जबकि पीएमके ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया और एकमात्र भाजपा विधायक तटस्थ रहे। पलानीस्वामी के प्रति निष्ठा रखने वाले 21 अन्य अन्नाद्रमुक विधायकों ने सरकार के खिलाफ मतदान किया।

षणमुगम ने कहा, ''उनका (पलानीस्वामी का) दावा पूरी तरह झूठा है और इसमें कोई सच्चाई नहीं है। हमने सरकार का समर्थन इसलिए किया क्योंकि अन्नाद्रमुक और टीवीके दोनों की विचारधारा एक ही है; द्रमुक का विरोध करना। अन्नाद्रमुक पार्टी की स्थापना स्वर्गीय एम जी रामचंद्रन ने द्रमुक को जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए ही की थी।

पलानीस्वामी के इस बयान पर कि अन्नाद्रमुक ने पहले ही विधायक दल के नेता, उपनेता और सचेतक का चयन कर लिया है, उन्होंने कहा, इनका चुनाव करने से पहले, पार्टी को एक बैठक बुलानी चाहिए थी और सभी 47 विधायकों की मंजूरी लेनी चाहिए थी। उन्होंने सवाल किया, क्या वे (पलानीस्वामी) बैठक के प्रस्ताव की प्रति दिखा सकते हैं? क्या वे बता सकते हैं कि विधायक दल की बैठक कब और किस समय हुई थी?

षणमुगम ने दावा किया कि पलानीस्वामी पिछले सप्ताह पुडुचेरी के उस रिसॉर्ट में आए थे जहां अन्नाद्रमुक विधायक ठहरे हुए थे, जब टीवीके सरकार बनाने के प्रयास कर रही थी और उन्होंने सभी विधायकों के हस्ताक्षर अलग-अलग लिए थे।

षणमुगम ने दावा किया, ''उन्होंने कहा कि उन्होंने उच्च प्राधिकारियों से बात कर ली है और द्रमुक हमारी पार्टी को बाहर से समर्थन देगी और वह मुख्यमंत्री बनेंगे। हमारी पार्टी को कई मंत्री पद मिलेंगे।'' उन्होंने आरोप लगाया, द्रमुक के दो वरिष्ठ मंत्रियों ने फोन पर उनसे संपर्क किया और समर्थन देने के लिए उन्हें बधाई दी और मंत्री पद का आश्वासन दिया।

मंत्री पद के लालच में अन्नाद्रमुक के कुछ विधायकों ने 'क्रॉस वोटिंग' की : पलानीस्वामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। अन्नाद्रमुक के महासचिव ई. के. पलानीस्वामी ने आरोप लगाया कि पार्टी के कुछ विधायकों ने बुधवार को टीवीके सरकार के बहुमत परीक्षण में मंत्री पद के ''लालच'' में आकर क्रॉस वोटिंग की और उनका यह कदम ''अनुचित और अवैध'' था।

वरिष्ठ नेता एस.पी. वेलुमणि और सी.वी. षणमुगम के नेतृत्व में अन्नाद्रमुक के कुल 25 विधायकों ने सी जोसफ विजय के नेतृत्व वाली सरकार को विश्वास मत के दौरान समर्थन दिया था।

पलानीस्वामी ने विधानसभा सत्र के बाद संवाददाताओं से कहा, ''हमने 2011 से अन्नाद्रमुक की उपलब्धियों और जन कल्याणकारी उपायों को जनता के सामने रखकर 47 विधानसभा सीटें जीती हैं। जमीनी स्तर समेत पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं ने पार्टी की जीत सुनिश्चित करने में योगदान दिया है।'' उन्होंने आरोप लगाया कि वेलुमणि गुट ने विधानसभा में टीवीके का समर्थन करके पदाधिकारियों के साथ ''विश्वासघात'' किया है।

पलानीस्वामी ने दावा किया, ''कुछ लोग कैबिनेट मंत्री पद के लालच में आकर दूसरों को भी गलत रास्ते पर ले गए। यह गैरकानूनी है, न्याय के विरुद्ध है।'' उन्होंने कहा कि किसी भी राजनीतिक दल के लिए जीत या हार होना आम बात है। उन्होंने कहा, ''ऐसा सिर्फ अन्नाद्रमुक के साथ नहीं हुआ। द्रमुक को भी ऐसी ही स्थिति का सामना करना पड़ा।'' पलानीस्वामी ने दावा किया कि विजय नीत टीवीके ने भले ही सरकार बना ली हो, लेकिन अन्नाद्रमुक ने अपने 47 विधायकों और सहयोगी दलों – पीएमके, भाजपा और एएमएमके के छह विधायकों के साथ ''बड़ी जीत'' हासिल की है। उन्होंने दावा किया कि पार्टी के महासचिव के रूप में उन्हें सचेतक (व्हिप) नियुक्त करने का अधिकार है। पलानीस्वामी ने दावा किया कि सचेतक एस.एस. कृष्णमूर्ति ने एसएमएस, ईमेल और पंजीकृत डाक के माध्यम से सभी विधायकों को सूचित किया था कि पार्टी विश्वास मत में सरकार के खिलाफ मतदान करेगी।

उच्चतम न्यायालय ने टीवीके विधायक सेतुपति को विश्वास मत में भाग लेने संबंधी रोक हटाई

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को मद्रास उच्च न्यायालय के उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें टीवीके विधायक आर. श्रीनिवास सेतुपति को तमिलनाडु विधानसभा में विश्वास मत में भाग लेने से रोका गया था। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति विजय बिश्नोई की पीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए कहा, ''कम से कम इतना तो कहा ही जा सकता है कि यह बेहद गंभीर है। उच्च न्यायालय कहता है कि इसका उपाय चुनाव याचिका है, लेकिन फिर भी अनुच्छेद 226 के तहत दायर याचिका पर सुनवाई कर रहा है।'' संविधान का अनुच्छेद 226 उच्च न्यायालयों को कुछ मामलों में रिट (परमादेश) जारी करने की शक्ति से संबंधित है।

रिट जारी करने का मतलब उच्चतम न्यायालय या उच्च न्यायालय द्वारा किसी व्यक्ति, अधिकारी या संस्था को लिखित औपचारिक आदेश देना है। यह आदेश संवैधानिक अधिकारों (मौलिक अधिकारों) को लागू करने या उनके उल्लंघन को रोकने के लिए जारी किया जाता है। तमिलनाडु में तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) सरकार ने बुधवार को उस वक्त एक बड़ी बाधा पार कर ली, जब उसने प्रमुख विपक्षी दल द्रमुक के विधानसभा से बहिर्गमन और अन्नाद्रमुक में फूट के बीच 22 के मुकाबले 144 मतों के अंतर से विश्वास मत जीतकर अपनी स्थिति मजबूत की। अन्नाद्रमुक के एक गुट ने सी. जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली सरकार का समर्थन किया। उच्च न्यायालय के 12 मई के अंतरिम आदेश को चुनौती देने वाली सेतुपति की याचिका पर नोटिस जारी करते हुए पीठ ने इस मामले में उच्च न्यायालय में लंबित कार्यवाही पर भी रोक लगा दी।

विधायकों की खरीद-फरोख्त से बड़ा राज्य का अपमान और नहीं होगा : डीएमडीके महासचिव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। देसिया मुरपोक्कू द्रविड़ कषगम (डीएमडीके) की महासचिव और विधायक प्रेमलता विजयकांत ने बुधवार को तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) नीत सरकार पर निशाना साधते हुए विधायकों की कथित खरीद-फरोख्त को राज्य के लिए बेहद शर्मनाक करार दिया।

मुख्य विपक्षी दल द्रमुक मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के विधायकों के साथ-साथ प्रेमलता ने भी विश्वास मत के दौरान सदन से बहिर्गमन किया था। प्रेमलता ने 'सरकारी विशेष अधिकारी' (रिकी राधान पंडित वेट्रीवेल) की नियुक्ति की भी आलोचना की और उन्हें 'राजगुरु' (शाही सलाहकार) करार दिया। उन्होंने सवाल किया, ''अगर वह आपके राजगुरु हैं, तो आपको उन्हें व्यक्तिगत रूप से अपने पास रखना चाहिए। लेकिन उन्हें उच्च सरकारी पद पर नियुक्त कर ... आप युवाओं के लिए क्या उदाहरण पेश कर रहे हैं?'' मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय ने सत्ता में आने पर सरकार में 'अनुकरणीय' पारदर्शिता होने का वादा किया था। प्रेमलता ने विजय के वादे पर सवाल उठाते हुए मुख्यमंत्री आवास में वाहनों में चेहरे ढक कर गए व्यक्तियों की खबरों पर स्थिति स्पष्ट करने की मांग की। डीएमडीके महासचिव ने कहा, ''मुख्यमंत्री ने कहा कि यहां किसी को भी मास्क पहनने की जरूरत नहीं है और वह एक पारदर्शी प्रशासन प्रदान करेंगे। ऐसे में, मैं अनुरोध करती हूं कि उन लोगों की जानकारी दी जाए जो उस दिन मुख्यमंत्री से मिलने के लिए वाहन में अपने चेहरे ढक कर गए थे।'' प्रेमलता ने कहा कि 'सेक्युलर प्रोग्रेसिव अलायंस' ने राष्ट्रपति शासन लागू होने से बचने या फिर से चुनाव का सामना करने से बचने के लिए बिना शर्त समर्थन दिया था। उन्होंने लेकिन जोर देकर कहा कि टीटीवी दिनाकरन जैसे नेताओं को 'खरीद-फरोख्त' के संबंध में हाल ही में पार्टी से निकाले गए सदस्यों के बारे में स्पष्टीकरण देना चाहिए।

अन्नाद्रमुक के बागी विधायकों को पार्टी पदों से हटाया गया

चेन्नई/भाषा। अन्नाद्रमुक के महासचिव ए.के. पलानीस्वामी ने बुधवार को एस.पी. वेलुमणि, सी.वी. षनमुगम और सी. विजयभास्कर समेत कई नेताओं को पार्टी पदों से हटा दिया। पार्टी प्रमुख ने नथम आर. विश्वनाथन समेत बागी विधायकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की क्योंकि उन्होंने पार्टी के आदेश की अवहेलना करते हुए दिन में विधानसभा में विश्वास मत के दौरान टीवीके सरकार के पक्ष में मतदान किया था। पलानीस्वामी ने 25 विधायकों को पार्टी पदों से हटाया और उनके स्थान पर नए जिला सचिवों की नियुक्ति की।

तमिलनाडु सरकार ने ओएसडी के तौर पर ज्योतिषी की नियुक्ति संबंधी आदेश वापस लिया

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु सरकार ने बुधवार को मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय के विशेष कार्याधिकारी (ओएसडी-राजनीतिक) के रूप में ज्योतिषी रिक्की राधन पंडित वेत्रिवेल की नियुक्ति संबंधी आदेश वापस ले लिया। यह सरकारी आदेश नियुक्ति किए जाने के 24 घंटे से भी कम समय बाद वापस लिया गया। मंगलवार को हुई इस नियुक्ति के बाद विपक्षी दलों के साथ-साथ तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के सहयोगियों की ओर से भी इसकी तीखी आलोचना हुई थी।

इस नियुक्ति को लेकर बुधवार को विधानसभा में भी तीखी बहस हुई। डीएमडीके महासचिव प्रेमलता विजयकांत समेत विपक्षी नेताओं ने सदन में इस कदम की कड़ी आलोचना करते हुए सवाल उठाया कि एक ज्योतिषी को महत्वपूर्ण राजनीतिक-प्रशासनिक पद पर कैसे नियुक्त किया जा सकता है। विभिन्न पक्षों से बढ़ते दबाव और विरोध के बीच विजय सरकार ने तेजी से कदम उठाते हुए नियुक्ति आदेश रद्द कर दिया। प्रख्यात ज्योतिषी वेत्रिवेल को मुख्यमंत्री कार्यालय में राजनीतिक मामलों को देखने की जिम्मेदारी दी गई थी, लेकिन बाद में सरकार ने अपना फैसला बदल लिया। आधिकारिक सूत्रों ने पुष्टि की कि यह सरकारी आदेश तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया गया है। इस पद पर किसी नए व्यक्ति की नियुक्ति को लेकर अभी कोई घोषणा नहीं की गई है।

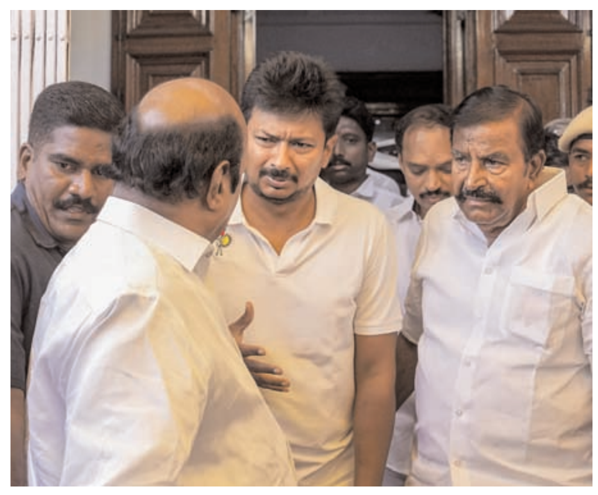

टीवीके को अधिकतर मतदाताओं का समर्थन प्राप्त नहीं है: उदयनिधि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु में विपक्ष के नेता उदयनिधि स्टालिन ने बुधवार को कहा कि राज्य में तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) सरकार को अधिकतर मतदाताओं का समर्थन प्राप्त नहीं है।

स्टालिन ने साथ ही भ्रष्टाचार के आरोपों के बाद अन्नाद्रमुक (एआईएडीएमके) विधायकों के एक वर्ग का समर्थन लेने के सरकार के फैसले पर भी सवाल उठाया।

टीवीके सरकार के शक्ति परीक्षण की कार्यवाही के दौरान अपने भाषण में उन्होंने सरकार से पिछली द्रविड मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सरकार द्वारा शुरू की गई कल्याणकारी योजनाओं को जारी रखने का भी आग्रह किया।

द्रमुक ने विश्वास मत के दौरान बहिर्गमन किया और मतदान से परहेज किया। शक्ति परीक्षण में सी. जोसफ विजय के नेतृत्व वाली सरकार को 144 वोट मिले।

टीवीके सरकार गठन के संबंध में उदयनिधि ने कहा, पहली बात तो यह है कि अधिकतर लोगों ने टीवीके को वोट नहीं दिया। उन्होंने कहा कि हाल ही में संपन्न हुए विधानसभा चुनाव में लगभग 4.93 करोड़ लोगों ने मतदान किया। उन्होंने कहा, क्या आप जानते हैं कि सत्ताधारी पार्टी को कितने लोगों ने वोट दिया? सिर्फ 1.72 करोड़। बाकी लगभग 3.21 करोड़ लोगों ने आपकी पार्टी के खिलाफ वोट दिया और आपको यह समझना होगा। उन्होंने दावा किया कि लगभग 65 प्रतिशत मतदाताओं ने विजय के नेतृत्व वाली टीवीके पार्टी को अस्वीकार कर दिया है।

राहुल व खरगे ने की आखिरी दौर की मंत्रणा, आज होगी केरल के मुख्यमंत्री की घोषणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने केरल के मुख्यमंत्री के चयन को लेकर बुधवार को अंतिम दौर की मंत्रणा की और बृहस्पतिवार को नाम की घोषणा की जाएगी। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने यह जानकारी दी।

खरगे के आवास '10 राजा जी मार्ग पर दोनों नेताओं के बीच आधे घंटे से भी अधिक समय तक चर्चा हुई। बैठक के बाद कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने संवाददाताओं से कहा, कांग्रेस विधायक दल ने नेता चुनने के लिए नेतृत्व को अधिकृत किया था। आलाकमान ने चर्चा पूरी कर ली है और फैसले के बारे में कल घोषणा की जाएगी। संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, पिछली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रहे वी.डी. सतीशन और वरिष्ठ नेता रमेश चेन्निथला मुख्यमंत्री पद के प्रमुख दावेदार हैं। सात मई को कांग्रेस विधायक दल की बैठक में एक प्रस्ताव पारित कर पार्टी आलाकमान को विधायक दल के नेता के चयन के लिए अधिकृत किया गया था। केरल में हाल में संपन्न विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) ने राज्य की 140 सीट में से 102 पर जीत दर्ज की।

मुख्यमंत्री को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं के सवाल विरोध के रूप में न देखे जाएं : कांग्रेस सांसद बेहनन

कोच्चि/भाषा। कांग्रेस सांसद बेन्नी बेहनान ने बुधवार को कहा कि उनके सहित सभी लोग यह जानने का इंतजार कर रहे हैं कि केरल का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा और इस संबंध में पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा पूछे गए सवालों को केवल जिज्ञासा के तौर पर देखा जाना चाहिए, न कि विरोध के रूप में। उन्होंने यह बयान एक दिन पहले घटी उस घटना का जिक्र करते हुए दिया, जिसमें कुछ पार्टी कार्यकर्ताओं ने एक विवाह समारोह स्थल पर उनसे मुख्यमंत्री चयन के मुद्दे पर सवाल किए थे। कांग्रेस सांसद ने दावा किया कि पार्टी कार्यकर्ताओं ने उन्हें न तो रोका और न ही उनका रास्ता अवरुद्ध किया। उन्होंने कहा कि यह केवल मित्रवत बातचीत थी, जिसे गलत तरीके से किसी विरोध प्रदर्शन की तरह पेश किया गया। बेहनन ने यहां एक टीवी चैनल से कहा कि लोग और पार्टी कार्यकर्ता ''स्वाभाविक रूप से'' यह जानना चाहेंगे कि केरल के मुख्यमंत्री को लेकर कांग्रेस क्या फैसला लेने वाली है। उन्होंने कहा, ''सिर्फ वे ही नहीं, मैं खुद भी यह जानने का इंतजार कर रहा हूं कि मुख्यमंत्री कौन होगा। इसलिए पार्टी कार्यकर्ता सवाल पूछेंगे। लेकिन उन सवालों को विरोध या रास्ता रोकने की घटना नहीं कहा जा सकता। इसे विरोध या मुझे रोके जाने की घटना बताना कुछ स्वार्थी लोगों का काम है।''

कांग्रेस सांसद ने कहा कि यह एक मित्रवत बातचीत थी और जब वह पेरुंबवूर स्थित विवाह स्थल से निकल रहे थे, तब पार्टी कार्यकर्ताओं ने उन्हें नहीं रोका। सोशल मीडिया पर एक वीडियो प्रसारित हुआ था, जिसमें कुछ युवक उनसे सवाल पूछते नजर आए थे कि मुख्यमंत्री कौन बनेगा।

सौर ऊर्जा परियोजनाओं के लिए खेजड़ी के वृक्ष काटने के प्रस्ताव पर अदालत ने जताई चिंता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। राजस्थान उच्च न्यायालय ने सौर ऊर्जा परियोजनाओं के लिए खेजड़ी के वृक्ष काटने के प्रस्ताव पर चिंता जताते हुए कहा कि यह प्रौद्योगिकीय विकास के नाम पर पर्यावरणीय विनाश का एक स्पष्ट उदाहरण है। न्यायालय ने आशा जताई कि वृक्षों के संरक्षण के लिए नियुक्त सरकारी समिति किसी भी पेड़ को नुकसान से बचाने के लिए हर उचित विकल्प अपनाएगी। न्यायमूर्ति अरुण मोंगा और न्यायमूर्ति संदीप शाह की एक पीठ ने जंबेश्वर पर्यावरण एवं जीव रक्षा प्रदेश संस्था नामक गैर सरकारी संगठन'' (एनजीओ) की जनहित याचिका का निपटारा करते हुए ये टिप्पणियां कीं। याचिका में राजस्थान में खेजड़ी के पेड़ों को बचाने का अनुरोध किया गया था।

पीठ ने निर्देश दिया कि कानून के अनुसार पूर्व अनुमति के बिना कोई भी पेड़ नहीं काटा जाए। अदालत ने कहा कि इस मामले पर गौर करने और पेड़ों की सुरक्षा के उपाय सुझाने के लिए राज्य सरकार द्वारा गठित समिति को पहले से सही जानकारी दी जानी चाहिए। खेजड़ी के पर्यावरणीय महत्व का ज़िक्र करते हुए अदालत ने कहा कि यह दुर्लभ रेगिस्तानी पेड़ सूखे इलाकों में बहुत कम संख्या में उगता है, फिर भी सौर ऊर्जा परियोजनाओं के लिए इसे काटने का प्रस्ताव दिया जा रहा है। पीठ ने कहा, यह बेहद विडंबनापूर्ण है। अदालत ने सवाल किया कि क्या समाज प्रौद्योगिकी के नाम पर प्रकृति को नष्ट कर रहा है।

अदालत ने 1730 में खेजड़ी के पेड़ों की रक्षा के लिए दिए गए ऐतिहासिक बलिदान का भी उल्लेख किया, जब बिश्नोई समुदाय के कई लोगों ने पेड़ों की कटाई का विरोध करते हुए अपनी जान दे दी थी। पीठ ने मौजूदा स्थिति की तुलना करते हुए कहा कि शायद अब फिर से समय आ गया है कि सरकार पेड़ों और पर्यावरणीय संतुलन की रक्षा के लिए कोई फरमान जारी करे। जनहित याचिका में मांग की गई थी कि तय प्रक्रिया का पालन किए बिना पेड़ों, खासकर खेजड़ी, की कथित अवैध कटाई पर रोक लगाई जाए।

याचिकाकर्ता संगठन ने राज्य सरकार से यह मांग भी की कि दूसरे राज्यों की तरह नया वृक्ष संरक्षण अधिनियम बनाया जाए या खेजड़ी के पेड़ों की सुरक्षा के लिए उचित दिशा-निर्देश जारी किए जाएं। संगठन ने राजस्थान में निजी और गैर-वन भूमि पर 'एग्रोफॉरेस्ट्री' को बढ़ावा देने तथा पेड़ों की कटाई के बदले नए पेड़ लगाने की व्यवस्था बनाने की भी मांग की। याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील विजय बिश्नोई ने कहा कि राज्य की सौर ऊर्जा नीति को लागू करने के नाम पर मौजूदा हरित क्षेत्र को बिना सोचे-समझे साफ किया जा रहा है।

उन्होंने दलील दी कि प्रभावित जमीन ज्यादातर बंजर है और खेजड़ी के पेड़ उन गिनी-चुनी प्रजातियों में हैं, जो रेगिस्तान की कठिन जलवायु में भी प्राकृतिक रूप से जीवित रह सकती हैं। वकील ने यह भी कहा कि स्थानीय समुदायों के लिए इस पेड़ का भावनात्मक और धार्मिक महत्व भी है।

नवीन आपराधिक कानूनों पर आयोजित कार्यशाला के सफल आयोजन हेतु दी बधाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधि सेवा संवर्ग के अधिकारियों द्वारा शासन सचिवालय स्थित मंत्रालय भवन, जयपुर में राज्य के माननीय विधि मंत्री जोगाराम पटेल के सम्मान में बुधवार को स्वागत एवं बधाई समारोह आयोजित किया गया। समारोह में विधि मंत्री का भव्य एवं गरिमामय स्वागत कर उन्हें सम्मानित किया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि दिनांक 9 मई को प्रदेश एवं विधि विभाग के लिए गौरवपूर्ण दिवस रहा, जब जयपुर के बिड़ला ऑडिटोरियम में नवीन आपराधिक कानूनों के संबंध में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में राजस्थान विधि सेवा संवर्ग, विधि रचनाकार सेवा के अधिकारियों सहित प्रदेशभर के लोक अभियोजकों एवं अपर लोक अभियोजकों ने सहभागिता की।

कार्यक्रम में माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, भारत सरकार के माननीय विधि मंत्री अर्जुनराम मेघवाल, राजस्थान सरकार के माननीय विधि मंत्री जोगाराम पटेल, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवासन, राजस्थान उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश संजीव प्रकाश शर्मा, महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद शर्मा तथा पुलिस महानिदेशक राजीव शर्मा सहित अनेक वरिष्ठ अधिकारी एवं विधि क्षेत्र से जुड़े गणमान्यजन उपस्थित रहे। इस दौरान राजस्थान विधि सेवा संवर्ग के लोगो का भी अतिथियों द्वारा लोकार्पण किया गया। समारोह में वक्ताओं ने नवीन आपराधिक कानूनों पर आयोजित कार्यशाला के सफल एवं भव्य आयोजन में माननीय विधि मंत्री जोगाराम पटेल के विशेष योगदान एवं नेतृत्व की सराहना की। अधिकारियों ने कहा कि इस आयोजन ने प्रदेश में विधि क्षेत्र को नई दिशा प्रदान करने के साथ राजस्थान को गौरवान्वित किया है।

आपसी सहयोग एवं समन्वय से विकास को मिली गति : भजनलाल शर्मा

यमुना जल समझौते को समय सीमा तय कर जल्द पूरा करने पर हुई चर्चा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को नई दिल्ली में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक में भाग लिया। इस उच्चस्तरीय बैठक में यमुना जल समझौते सहित राजस्थान और हरियाणा के मध्य कई अहम विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान और हरियाणा के बीच यमुना जल समझौते के तहत पाइपलाइन के लिए गाइडलाइन और समय तय कर परियोजना को शीघ्र पूरा करने के संबंध में विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। उन्होंने कहा कि बैठक के दौरान किशाऊ परियोजना पर सभी संबंधित राज्यों में सहमति बनाने के बारे में भी विस्तार से चर्चा की गई। उन्होंने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री एवं हरियाणा के मुख्यमंत्री को धन्यवाद देते हुए कहा कि आपसी सहयोग एवं समन्वय से दोनों राज्यों के विकास से जुड़े विभिन्न कार्यों को नई गति मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बैठक के दौरान प्रदेश को रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) के द्वारा हरियाणा के रास्ते दिल्ली से जोड़ने की परियोजना को तेजी से आगे बढ़ाने पर भी सहमति बनी। इससे राजस्थान को भी सीधा लाभ मिलेगा।

उन्होंने कहा कि बैठक में भिवाड़ी में जल भराव की समस्या के समाधान पर भी वार्ता की गई। उल्लेखनीय है कि यमुना जल समझौते के तहत पाइपलाइन बिछाने के लिए संयुक्त डीपीआर तैयार कर हरियाणा सरकार के साथ साझा कर दी गई है। हरियाणा द्वारा कुछ क्षेत्रों को पेयजल उपलब्ध कराने हेतु अधिकांश टैपिंग पॉइंट्स की सूचना उपलब्ध करा दी गई है। जिसे सम्मिलित करते हुए डीपीआर को केंद्रीय जल आयोग के ऑनलाइन पोर्टल पर शीघ्र ही अपलोड किया जाकर केंद्रीय जल आयोग द्वारा डीपीआर की जांच प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी। हरियाणा द्वारा यदि अन्य टैपिंग पॉइंट्स की सूचना उपलब्ध कराई जाती है तो उन्हें भी केंद्रीय जल आयोग में जांच के दौरान डीपीआर में सम्मिलित कर लिया जाएगा। हरियाणा सरकार से चर्चा के बाद डीपीआर का केंद्रीय जल आयोग से अनुमोदन होते ही धरातल पर कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि 17 फरवरी 2024 को राजस्थान और हरियाणा के बीच एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए थे, जिसके तहत हथिनीकुंड बैराज से जुलाई से अक्टूबर तक आवंटित यमुना जल को भूमिगत पाइपलाइन के जरिए राजस्थान के चूरू, सीकर, झुंझुनूं तथा अन्य जिलों तक पहुंचाने की परियोजना पर काम किया जाएगा। इस परियोजना से 577 एमसीएम पानी पेयजल आपूर्ति और अन्य आवश्यकताओं के लिए उपलब्ध होगा।

नीट प्रश्न पत्र लीक मामले में भाजपा की पोल खुली : अशोक गहलोत

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट)-स्नातक (यूजी) का प्रश्न पत्र 'लीक' होने के मामले को लेकर बुधवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए कहा कि इस प्रकरण से सत्तारूढ़ दल की पोल खुल गई है। गहलोत ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में दावा किया, नीट प्रश्न पत्र लीक में गिरफ्तार आरोपी दिनेश बिंवाल भारतीय जनता पार्टी का पदाधिकारी है। क्या यही वजह है कि राजस्थान की भाजपा सरकार ने इस मामले को छिपाने का प्रयास किया एवं कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं की? इस मामले में गिरफ्तारी के बारे में आधिकारिक तौर पर अभी कुछ नहीं बताया गया है। पूर्व मुख्यमंत्री के अनुसार, मैं 11 मई से ही कह रहा था कि भाजपा सरकार प्राथमिकी क्यों नहीं दर्ज कर रही है? अब भाजपा की पोल खुल गई है। गहलोत ने कहा, क्या अब भाजपा सरकार युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वाले प्रश्न पत्र लीक माफिया को संरक्षण दे रही है।

जयपुर के एसएमएस अस्पताल को बम से उड़ाने की धमकी मिली

जयपुर। जयपुर के सवाई मानसिंह (एसएमएस) अस्पताल को बुधवार को बम से उड़ाने की धमकी मिलने से अफरा-तफरी मच गई। जांच के बाद आरोपी को हरियाणा में हिरासत में ले लिया गया जिसे जयपुर लाया जा रहा है। पुलिस ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि धमकी भरे संदेश में 40 करोड़ रुपये की मांग की गई और पैसे न देने पर अस्पताल को बम से उड़ाने की बात कही गई।उन्होंने कहा कि धमकी का संदेश जयपुर पुलिस नियंत्रण कक्ष को मिला, जिसके बाद पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां तुरंत अस्पताल पहुंचीं तथा तलाशी अभियान शुरू किया। अधिकारियों ने बताया कि तलाशी अभियान दो-तीन घंटे तक चला, लेकिन कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। पुलिस के अनुसार, सुबह साढ़े पांच से छह बजे के बीच अभय कमांड सेंटर को धमकी भरा फोन आया। साइबर प्रकोष्ठ की मदद से जब फोन करने वाले नंबर की पड़ताल की गई, तो उसकी 'लोकेशन' हरियाणा में मिली।

तेज गर्मी का दौर जारी, कई जगह बारिश

जयपुर। राजस्थान में तेज गर्मी का दौर जारी है जहां बीते चौबीस घंटे में अनेक जगह पर आंधी के साथ बारिश भी हुई। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार, बुधवार सुबह तक बीते 24 घंटे में राज्य में कहीं कहीं बादलों की गरज और आंधी के साथ हल्की से मध्यम बारिश हुई। सर्वाधिक 30.0 मिलीमीटर बारिश चुरू तहसील में हुई। इस बीच राजस्थान के ज्यादातर हिस्सों में भीषण गर्मी पड़ रही है और यह दौर इस सप्ताह जारी रहने का अनुमान है। कल दिन में अधिकतम तापमान बाड़मेर में 48.3 डिग्री रहा।

मुख्यमंत्री ने काफिले में वाहनों की संख्या घटाई

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने उनके काफिले में वाहनों की संख्या कम से कम रखने के निर्देश दिया है, जिसके बाद बुधवार को उनके काफिले में सिर्फ पांच वाहन दिखाई दिए। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ईंधन बचाने की अपील के मद्देनजर मुख्यमंत्री ने यह कदम उठाया है। आधिकारिक प्रवक्ता के अनुसार शर्मा ने अपने काफिले में वाहनों की संख्या न्यूनतम रखने का निर्देश दिया है और अधिकारियों को अनावश्यक वाहनों का उपयोग न करने को कहा गया है। इसके साथ राज्य के मुख्य सचिव सहित सभी आला अफसरों व जनप्रतिनिधियों के लिए भी ऐसे ही निर्देश दिए गए हैं। उनसे अपने काफिले में कम से कम वाहन रखने को कहा गया है ताकि पेट्रोल व डीजल की बचत हो।

कोटा में प्रसव के बाद महिलाओं की मौत के मामले में दो और चिकित्सक निलंबित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ोटा। राजस्थान सरकार ने प्रसव के बाद महिलाओं की मौत और संक्रमण फैलने के मामले में दो और चिकित्सकों तथा दो नर्सिंग स्टाफ को निलंबित कर दिया। साथ ही कोटा के जेके लोन अस्पताल व न्यू मेडिकल कॉलेज अस्पताल (एनएमसीएच) के अधीक्षकों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए। एनएमसीएच और जेके लोन अस्पताल में ऑपरेशन से प्रसव के बाद चार महिलाओं की मौत हो गई थी।

कोटा के न्यू मेडिकल कॉलेज के प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग के डॉ. बद्रीलाल (प्रोफेसर) और डॉ. खुशबू मीना (एसोसिएट प्रोफेसर) को उपचार और निगरानी में लापरवाही'' के आरोप में तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। जेके लोन अस्पताल की नर्सिंग ऑफिसर पिंकी खींची और एनएमसीएच की नर्सिंग ऑफिसर मीनाक्षी मीना को भी तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया।

जेके लोन अस्पताल की अधीक्षक डॉ. निर्मला शर्मा और एनएमसीएच के अधीक्षक डॉ. आशुतोष शर्मा को प्रशासनिक एवं पर्यवेक्षण संबंधी जिम्मेदारियों के निर्वहन में कथित लापरवाही को लेकर कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। राजस्थान की प्रमुख शासन सचिव (स्वास्थ्य) गायत्री राठौर ने दोनों अस्पतालों का निरीक्षण किया और मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं, उपचार प्रणाली तथा चिकित्सा व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

किसानों को उन्नत बीज एवं तकनीक का ज्ञान देकर आत्मनिर्भर बनाएं : राज्यपाल

जयपुर/दक्षिण भारत । राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि कृषि आज भी भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। देश की अधिकांश जनसंख्या की आजीविका आज भी कृषि और पशुपालन पर आधारित है। ऐसे में कृषि शिक्षा का महत्व काफी अधिक है। इससे ग्रामीण विकास, रोजगार सृजन एवं विकसित भारत के दृष्टिकोण को सहज प्राप्त किया जा सकता है। कृषि शिक्षा के माध्यम से खेतों में उत्पादकता बढ़ाकर खाद्य सुरक्षा प्राप्त करने के साथ ही किसानों को उन्नत बीज, तकनीक एवं विपणन का ज्ञान देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है।

राज्यपाल बागड़े बुधवार को राज्य कृषि प्रबंध संस्थान (सिआम) ऑडिटोरियम में कृषि विश्वविद्यालय, कोटा के नवम दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता करते हुए संबोधित कर रहे थे। उन्होंने दीक्षांत समारोह में पदक एवं डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय से प्राप्त शिक्षा, ज्ञान एवं अनुसंधान का उपयोग विकसित भारत के लिए करें। उन्होंने कहा कि हमारे कृषि विश्वविद्यालय आधुनिक ज्ञान, विज्ञान, नवीनतम तकनीकों एवं व्यावहारिक समाधानों के सशक्त केन्द्र के रूप में विकसित हो जहां किसानों को सरल, सुलभ और वैज्ञानिक जानकारी मिल सके। उन्हें कृषि क्षेत्र में नवाचारों का उपयोग करते हुए फसल उत्पादन बढ़ाने के बारे में मदद मिले।

बागड़े ने कहा कि विकसित भारत की परिकल्पना विकसित कृषि के बिना अधूरी है।

सरकार की योजनाओं का लाभ सीधा लाभार्थियों के खातों में पहुंच रहा : दिलावर

जयपुर/दक्षिण भारत। शिक्षा मंत्री तथा फलौदी जिले के प्रभारी मंत्री मदन दिलावर बुधवार को जिले के दौरे पर रहे। इस दौरान उन्होंने ग्राम पंचायत कोलू पाबूजी में ग्राम रथ अभियान का अवलोकन करते हुए आमजन की परिवेदनाएं सुनी। साथ ही सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में आमजन को जानकारी देते हुए जागरूक किया गया। शिविर के दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का संदेश भी ग्रामीणों ने सुना। प्रभारी मंत्री ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार द्वारा आमजन को योजनाओं के बारे में जागरूक करने के लिए ग्राम रथ अभियान का आयोजन किया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं की राशि सीधा पात्र लाभार्थियों के खातों में हस्तांतरित की जा रही है। इस दौरान कृषि विभाग,पंचायत राज विभाग,समाज कल्याण विभाग सहित अन्य विभागीय अधिकारियों द्वारा योजनाओं की जानकारी दी गई।

इस दौरान प्रभारी मंत्री ने ग्रामीणों को पालनहार योजना के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि योजना के तहत 2500 रुपए महीने पालनकर्ता को दिए जाते हैं, जिससे पालनकर्ता को बच्चों के पालन पोषण के लिए आर्थिक सम्बल मिलता है।

केरल के छात्र ने राजस्थान में अपने दोस्तों को 'गेस पेपर' भेजा : एसओजी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान पुलिस के विशेष अभियान समूह (एसओजी) के अनुसार नीट-यूजी 2026 मेडिकल परीक्षा में पूछे गए प्रश्नों से मिलते सवाल वाला 'गेस पेपर' मूल रूप से केरल के एक छात्र से यहां सीकर के छात्र को मिला था। एसओजी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को बताया कि केरल में एमबीबीएस की पढ़ाई कर रहे इस छात्र ने यह पेपर अपने दोस्तों और एक हॉस्टल मालिक के साथ साझा किया था। एसओजी के महानिरीक्षक अजय पाल लांबा ने बताया कि उक्त छात्र को यह सामग्री सबसे पहले अपने एक दोस्त से मिली जिसे उसने इसे सीकर में दूसरों के साथ साझा किया।

उन्होंने बताया कि इसके बाद यह दस्तावेज कोचिंग कर रहे कई छात्रों तक पहुंचा और फिर तीन मई को परीक्षा से पहले जयपुर और आस-पास के इलाकों के अभ्यर्थियों तक भी पहुंच गया। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि केरल वाले छात्र ने यह 'गेस पेपर' सीकर के एक हॉस्टल मालिक और अपने कुछ दोस्तों को भेजा।

उन्होंने बताया कि हॉस्टल मालिक ने हॉस्टल में रहने वाले छात्रों के साथ यह 'गेस पेपर' साझा करते हुए कहा था कि यह उनके काम आ सकता है। उन्होंने बताया कि हालांकि, बाद में खुद हॉस्टल मालिक ने ही स्थानीय पुलिस को इस 'गेस पेपर' के बारे में सूचना दी। अधिकारी ने बताया कि उसने बताया था कि बड़ी संख्या में छात्रों को एक 'क्रेश्चन बैंक' (प्रश्न संग्रह) बांटा गया है।

अधिकारियों ने बताया कि राजस्थान पहुंचने से पहले यह सामग्री कथित तौर पर हरियाणा के गुरुग्राम में रहने वाले एक व्यक्ति के जरिए भेजी गई थी। नीट पेपर लीक की अफवाहों से जुड़ी जानकारियों पर कार्रवाई करते हुए सीकर, झुंझुनू, अलवर, जयपुर शहर, जयपुर ग्रामीण और एसओजी की संयुक्त पुलिस दलों ने 150 से अधिक अभ्यर्थियों, उनके दोस्तों और माता-पिता से पूछताछ की।

अधिकारी ने बताया, जांच में पता चला कि परीक्षा शुरू होने से पहले ही यह पेपर कथित तौर पर राजस्थान में कुछ लोगों तक पहुंच गया था। लांबा ने बताया कि जांच के निष्कर्ष को राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के साथ साझा किया गया, जिसके बाद केंद्र सरकार ने नीट परीक्षा रद्द करने का फैसला किया। बाद में इस मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप दी गई। जांच का जिम्मा संभालने के लिए सीबीआई की टीम मंगलवार देर शाम एसओजी के दफ़्तर पहुंची।

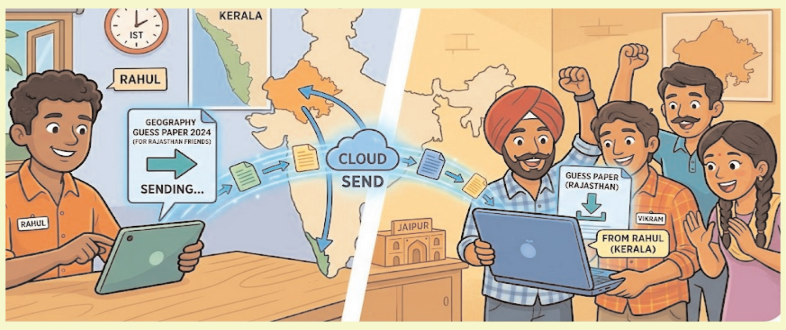

अधिकारियों के अनुसार एसओजी की जांच के दौरान जुटाए गए बयान और सबूत सीबीआई टीम के साथ साझा कर दिए गए हैं। अधिकारियों के अनुसार कई लोगों पर संगठित नेटवर्क के रूप में काम करने का शक है और उनसे पूछताछ जारी है।? अधिकारियों ने बताया कि दो दर्जन से अधिक संदिग्धों को सीबीआई को सौंप दिया गया है। उन्होंने बताया कि आगे की कार्रवाई जांच के दौरान सामने आने वाले सबूतों पर निर्भर करेगी। पुलिस ने बताया कि जिन लोगों से पूछताछ की गई उनमें से अधिकतर या तो नीट के अभ्यर्थी है या इस परीक्षा में बैठने वाले छात्रों से सीधे तौर पर जुड़े हैं। जांचकर्ताओं को यह भी पता चला कि एक दूसरे को भेजी गई 'पीडीएफ' फाइल में रसायन विज्ञान के लगभग 45 और जीव विज्ञान के 90 सवाल थे, जिनके प्रश्न कथित तौर पर असली परीक्षा के पेपर से मेल खाते थे। अधिकारियों के अनुसार एक सोशल मीडिया 'ग्रुप' भी सामने आया है, जिसमें 'पासवर्ड से सुरक्षित' पीडीएफ फाइल वितरित की गई थी। अधिकारियों ने बताया कि अब तक की जांच में कोचिंग संस्थानों की कोई सीधी भूमिका सामने नहीं आई है।

अधिकारियों ने बताया कि परीक्षा के बाद सीकर में एक हॉस्टल मालिक ने उद्योग नगर पुलिस थाने और एनटीए में शिकायत दर्ज कराई जिसमें आरोप लगाया गया कि बड़ी संख्या में छात्रों के बीच एक क्रेश्चन बैंक बांटा गया था।

सूत्रों के अनुसार, जब एसओजी को 'गेस पेपर' के बारे में जानकारी मिली तो अतिरिक्त महानिदेशक विशाल बंसल और महानिरीक्षक लांबा समेत वरिष्ठ अधिकारियों ने आठ मई की रात को कार्यालय में बैठक कर असली प्रश्न पत्र से उसका मिलान किया। सूत्रों ने बताया कि जब उन्हें पता चला कि असली परीक्षा के प्रश्न पत्र के कई सवाल कथित 'गेस पेपर' से मेल खाते हैं तो एसओजी तुरंत हरकत में आई और उसी रात सीकर थाना पुलिस की मदद से कुछ लोगों को हिरासत में ले लिया गया। सूत्रों के अनुसार, पूछताछ के दौरान उन्होंने उन दूसरे लोगों के बारे में बताया जिन्हें 'गेस पेपर' भेजा गया था। सूत्रों ने बताया कि बाद में एक दुकानदार को हिरासत में लिया गया, जहां से कुछ अभ्यर्थियों ने 'गेस पेपर' के प्रिंट लिए थे। सूत्रों के अनुसार, जांच का दायरा बढ़ाया गया और विद्यार्थियों, अभिभावकों व अन्य लोगों समेत 150 से ज्यादा लोगों से पूछताछ की गई।

सूत्रों ने बताया कि शक है कि प्रश्न पत्र लीक नासिक से हुआ था। एसओजी सूत्रों ने बताया, राजस्थान एसओजी से मिली जानकारी के आधार पर नासिक पुलिस ने एक व्यक्ति को हिरासत में लिया है। प्रश्न पत्र लीक माफिया के सुराग और नेटवर्क की विस्तार से जांच की जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि इस मामले में राजस्थान में कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई है और कानूनी कार्रवाई सीबीआई करेगी। सीबीआई इस मामले की जांच कर रही है।

बंगाल: बदला दिखा विधानसभा का रंग, शपथ ग्रहण के दिन पूजा का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के विधायकों के शपथ ग्रहण समारोह के पहले दिन बुधवार को लीक से हटकर कई गतिविधियां देखने को मिलीं जिनमें विधानसभा परिसर में पूजा का आयोजन किया जाना और सदस्यों को सरकार की ओर से उपलब्ध कराए गए भोजन में मछली के व्यंजन परोसा जाना शामिल है।

इन प्रतीकात्मक कार्यों की वजह से विधानसभा की कार्यवाही एक अलग सांस्कृतिक और वैचारिक रंग में रंगी नजर आई। दो दिवसीय शपथ ग्रहण समारोह के पहले दिन 294 सदस्यीय विधानसभा में से मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी समेत 140 से ज्यादा विधायकों ने शपथ ली। अस्थायी विधानसभा अध्यक्ष तापस रॉय ने विधायकों को शपथ दिलाई। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों के सदस्यों ने शपथ ली। शपथ ग्रहण करने वाले विधायकों में राज्य की पहली भाजपा सरकार के नव-नियुक्त मंत्री दिलीप घोष, अग्निमित्रा पॉल, अशोक कीर्तनिया, खुदिराम टुडू और निशीत प्रमाणिक शामिल थे। विपक्षी तृणमूल कांग्रेस की ओर से पूर्व विधानसभा अध्यक्ष बिमान बनर्जी और कामरहाटी के विधायक मदन मित्रा ने शपथ ली। वहीं आरजी कर अस्पताल दुष्कर्म-हत्या मामले की पीड़िता की मां भाजपा विधायक रत्ना देबनाथ तथा अभिनय के क्षेत्र से राजनीति में आईं रूपा गांगुली ने भी शपथ ग्रहण की। अधिकारी ने बाद में अपने कक्ष में पूजा-अर्चना की, जो राज्य के विधायी इतिहास में अभूतपूर्व घटना मानी जा रही है। इस समारोह में स्वयं मुख्यमंत्री ने अनुष्ठानिक घंटी बजाई और इस दौरान विधानसभा परिसर शंखध्वनि से गूंज उठा। मुख्यमंत्री ने कहा, विधानसभा लोकतंत्र का मंदिर है। यहां हम पारदर्शिता के साथ जनता के लिए काम करेंगे।

अधिकारी ने बिना अधिक विवरण दिए यह भी कहा, तृणमूल कांग्रेस के कई नेताओं ने मुझसे कहा है कि आखिरकार उन्हें अपनी आजादी मिल गई। दिन की कार्यवाही के पहले चरण के अंत में कार्यवाहक विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि सभी नव-निर्वाचित विधायकों के लिए विशेष 'माछ-भात' (मछली-चावल) भोज की व्यवस्था की गई है। यह केवल एक साधारण भोजन नहीं था, बल्कि इसमें राजनीतिक प्रतीकवाद और सांस्कृतिक संदेश छिपा था क्योंकि तृणमूल कांग्रेस ने चुनाव प्रचार अभियान के दौरान दावा किया था कि अगर भाजपा सत्ता में आई तो पश्चिम बंगाल में मांसाहार पर प्रतिबंध लगा दिया जाएगा। इससे पहले शपथ ग्रहण समारोह के पहले दिन 140 से ज्यादा विधायकों ने शपथ ली। विधानसभा के कार्यवाहक अध्यक्ष तापस रॉय ने कहा कि बाकी 146 नवनिर्वाचित विधायक बृहस्पतिवार को शपथ लेंगे। रॉय ने पत्रकारों से कहा, आज 150 विधायकों के शपथ लेने का कार्यक्रम था, लेकिन विभिन्न कारणों का हवाला देते हुए कुछ विधायक उपस्थित नहीं हुए।

मोबाइल ऐप पर अश्लील सामग्री के कारण पूरी पीढ़ी को बर्बाद नहीं होने दिया जा सकता: उच्च न्यायालय

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली उच्च न्यायालय ने बुधवार को गूगल और एप्पल को अपने ऑनलाइन मंचों पर मौजूद मोबाइल एप्लिकेशन के जरिये अश्लील सामग्री के प्रसार के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया। अदालत ने टिप्पणी की कि वह पूरी पीढ़ी को ''बर्बाद'' होने की अनुमति नहीं दे सकता।

मुख्य न्यायाधीश डी. के. उपाध्याय और न्यायमूर्ति तेजस कारिया की पीठ ने कहा कि वर्तमान कानूनी ढांचे में, सोशल मीडिया मध्यस्थों को ''सबसे महत्वपूर्ण भूमिका'' निभानी होगी और उन्हें न केवल शिकायत मिलने पर, बल्कि अश्लील सामग्री अपलोड करते समय भी कार्रवाई करनी चाहिए।

इसके अलावा, इसने केंद्र की 'इंडियन कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पांस टीम' को इस तरह की सामग्री के प्रसार की जांच करने के लिए भी कहा।

अदालत गूगल और एप्पल द्वारा संचालित मंचों पर मौजूद मोबाइल एप्लिकेशन के जरिये अश्लील सामग्री पेश किये जाने के खिलाफ रुबिका थापा द्वारा दायर एक जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी।

अदालत ने कहा, ''हम देश की पूरी पीढ़ी को बर्बाद नहीं होने दे सकते। हम (संविधान के) अनुच्छेद 19 के तहत सभी प्रकार की स्वतंत्रता को समझते हैं, लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि हम अश्लील सामग्री के प्रसार की अनुमति दें।''

ससुराल से मिली साड़ी 'पसंद नहीं' आने पर दुल्हन ने किया शादी से इनकार, लौटी बारात

बलिया/भाषा। उत्तर प्रदेश के बलिया जिले में ससुराल पक्ष की लायी साड़ी 'पसंद नहीं' आने पर दुल्हन ने शादी से इनकार कर दिया, जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच मारपीट हुई और बारात बिना शादी के लौट गयी। पुलिस के एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस उपाधीक्षक मोहम्मद फहीम कुरैशी ने बुधवार को बताया कि दोकटी थाना क्षेत्र के दलनछपरा गांव के निवासी अजय गोंड की बेटी कुमारी निकी का विवाह सहतवार थाना क्षेत्र के महादनपुर गांव के पवन गोंड के बेटे विशाल गोंड से तय हुआ था। उन्होंने बताया कि निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार रेवती थाना क्षेत्र के गायघाट गांव के पंचरुख देवी मंदिर में वर और वधू पक्ष गत 11 मई को शादी के लिए पहुंचे और शाम को मंदिर प्रांगण में विवाह कार्यक्रम के दौरान ही दुल्हन को ससुराल पक्ष की ओर से लायी गयी साड़ी पसंद नहीं आई और उसने शादी से इनकार कर दिया। कुरैशी ने बताया कि इस बात को लेकर वर व वधु पक्ष के लोगों के बीच विवाद हो गया और देखते ही देखते मारपीट शुरू हो गई, जिसमें वधु के भाई जीत नाथ गोंड, उसकी मां उमरावती देवी व एक अन्य महिला लक्ष्मी देवी घायल हो गयीं।

बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने भवानीपुर सीट अपने पास रखी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने बुधवार को घोषणा की कि वह भवानीपुर विधानसभा सीट अपने पास रख रहे हैं और नंदीग्राम सीट छोड़ देंगे। हाल ही में संपन्न विधानसभा चुनाव में उन्होंने भवानीपुर और नंदीग्राम दोनों सीटों से जीत हासिल की थी और बुधवार को उन्होंने भवानीपुर से विधायक के रूप में राज्य विधानसभा में शपथ ली।

अधिकारी ने विधानसभा परिसर में पत्रकारों से कहा, ''नंदीग्राम से कोई और विधायक (उपचुनाव में) चुना जाएगा। लेकिन मैं वहां के लोगों को अपनी कमी महसूस नहीं होने दूंगा।'' उन्होंने कहा, ''मैं राज्य के बाकी हिस्सों के साथ ही नंदीग्राम के लोगों से किए गए सभी विकास संबंधी वादों को पूरा करूंगा।'' अधिकारी ने 2009 से 2016 तक नंदीग्राम से तृणमूल कांग्रेस विधायक रहीं फिरोजा बीबी के कार्यकाल का उल्लेख करते हुए कहा कि उस समय वह ममता बनर्जी की पार्टी के प्रमुख नेताओं में शामिल थे। उन्होंने कहा, ''हालांकि मैं आधिकारिक तौर पर उस सीट का विधायक नहीं था, फिर भी मैंने 2008 के नंदीग्राम पुलिस गोलीबारी कांड में शहीद हुए व्यक्ति की मां फिरोजा बीबी को पूरा समर्थन दिया था। इस बार भी मैं वैसी ही भूमिका निभाऊंगा।'' विधानसभा चुनाव में अधिकारी ने ममता बनर्जी के गढ़ भवानीपुर सीट पर उन्हें कांटे की टक्कर में 15,105 वोटों से हराया था। वहीं, उन्होंने अपने मजबूत गढ़ नंदीग्राम सीट पर तृणमूल कांग्रेस के निकटतम प्रतिद्वंद्वी पवित्र कर को 9,665 वोटों से पराजित किया था। पश्चिम एशिया संकट के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मितव्ययिता संबंधी सलाह और पेट्रोल-डीजल के इस्तेमाल में कटौती की अपील पर पूछे गए सवाल के जवाब में अधिकारी ने कहा कि उन्होंने अपने काफिले में वाहनों की संख्या घटाने के निर्देश दिए हैं।

खेड़ा के खिलाफ मेरी पत्नी के मामले में कानून अपना काम करेगा : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को कहा कि उनकी पत्नी के कांग्रेस नेता पवन खेड़ा के खिलाफ दायर मामले में कानून अपना काम करेगा।

खेड़ा ने आरोप लगाया था कि हिमंत की पत्नी के पास कई पासपोर्ट और विदेशों में अघोषित संपत्तियां हैं।

मुख्यमंत्री ने अपने दूसरे कार्यकाल में मंत्रिमंडल की पहली बैठक की अध्यक्षता करने के बाद यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि उच्चतम न्यायालय के आदेश के अनुसार, वह (खेड़ा) बुधवार को अपराध शाखा के सामने पेश हुए और पुलिस निश्चित रूप से उनसे पूछताछ करेगी। उन्होंने कहा, ''कानून अपना काम करेगा, लेकिन हमें केंद्र सरकार से लिखित में यह सूचना मिल चुकी है कि खेड़ा द्वारा प्रदर्शित दस्तावेज फर्जी थे।''

मुख्यमंत्री ने कहा कि इसलिए पुलिस जांच में ज्यादा समय नहीं लगेगा और वे निर्धारित समय के भीतर आरोप पत्र दाखिल कर सकेंगे।

शर्मा ने कहा, ''अगर वह सहयोग करना जारी रखते हैं, तो आरोप पत्र या अंतिम रिपोर्ट दाखिल करने में तेजी आएगी, लेकिन अगर वह सहयोग नहीं करते हैं, तो इसमें समय लग सकता है। हम मामले को जल्द से जल्द निपटाना चाहते हैं।''

खेड़ा ने अपराध शाखा कार्यालय में प्रवेश करने से पहले पत्रकारों से कहा कि वह जांच में सहयोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ''मुझे पुलिस ने तलब किया था, जिसके बाद मैं यहां आया हूं। हम कानून और न्यायपालिका का सम्मान करते हैं, इसलिए मैं कानूनी प्रक्रिया के अनुसार यहां उपस्थित हूं।''

बिहार को एआई केंद्र बनाने की दिशा में पहल, 'बिहार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मिशन' को मंजूरी

पटना/भाषा। बिहार के सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री नीतीश मिश्र ने बुधवार को कहा कि सरकार ने बिहार को कृत्रिम मेधा (एआई) के क्षेत्र में अग्रणी राज्य के रूप में स्थापित करने के लिए ''बिहार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मिशन'' को मंजूरी दी है। सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के बयान के अनुसार मंत्री ने कहा कि इस मिशन का उद्देश्य राज्य में अत्याधुनिक एआई पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करना, कौशल विकास को बढ़ावा देना तथा नवाचार आधारित तकनीकी वातावरण विकसित करना है। उन्होंने बताया कि मिशन में एआई क्षेत्र के अग्रणी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय उद्योगों तथा संस्थानों की सहभागिता सुनिश्चित करना भी शामिल है, ताकि बिहार को उभरती प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में नई पहचान मिल सके। मिश्र ने कहा कि राज्य सरकार ने सिंगापुर स्थित प्रतिष्ठित संस्था 'ग्लोबल फाइनेंस एंड टेक्नोलॉजी नेटवर्क' (जीएफटीएन) के नामांकन आधारित चयन तथा 'आर्यभट दृष्टि' परियोजना के क्रियान्वयन के लिए 209 करोड़ रुपए की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की है। उन्होंने बताया कि 'नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर' के 'इंस्टीट्यूट ऑफ डिजिटल फाइनेंस' और 'लाइनक्स फाउंडेशन' के सहयोग से पांच माह का उन्नत एआई प्रमाणन कार्यक्रम चलाया जाएगा। मंत्री के अनुसार, अगले पांच वर्षों में एसटीईएम, गैर-स्नातक तथा स्नातकोत्तर श्रेणी के कुल 7,000 विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि 'मैसर्स ग्लोबल फाइनेंस एंड टेक्नोलॉजी नेटवर्क' के माध्यम से एआई एवं क्वांटम-सक्षम डिजिटल सैंडबॉक्स प्लेटफॉर्म 'आर्यभट टेक्नोलॉजी ऑब्जर्वेटरी' का निर्माण किया जाएगा, जिससे 100 से अधिक स्टार्टअप लाभान्वित होंगे।

नीट मामले पर जेपीसी का गठन हो, धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दें : कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी को रद्द किए जाने का हवाला देते हुए बुधवार को कहा कि इस मामले में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को तत्काल इस्तीफा देना चाहिए और पेपर लीक मामले की जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) का गठन होना चाहिए। कांग्रेस की युवा ईकाई भारतीय युवा कांग्रेस के अध्यक्ष उदय भानु चिब और छात्र इकाई एनएसयूआई के अध्यक्ष विनोद जाखड़ ने पार्टी कार्यालय में संवाददाताओं से यह भी कहा कि सरकार को परीक्षा रद्द होने से प्रभावित बच्चों को उचित मुआवजा प्रदान करना चाहिए।

चिब ने कहा, नीट पेपर लीक एक बड़ा मुद्दा है। पिछले 10 साल में 89 पेपर लीक हुए हैं और 48 बार दोबारा परीक्षाएं हुई हैं। यानी सरकार ने बच्चों के प्रति अपनी जवाबदेही ख़त्म कर दी है। उन्होंने कहा, हम उन बच्चों की जगह खुद को रखकर देखें तो शायद उनका दर्द महसूस कर पाएं। बच्चे मेहनत से परीक्षा देते हैं, लेकिन जब पेपर लीक होता है तो उनका सिस्टम से भरोसा उठ जाता है।

उत्तराखंड मंत्रिमंडल के कई फैसले

'वर्क फ्रॉम होम', 'नो व्हीकल डे' जैसे ऊर्जा, ईंधन बचत सहित अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देहरादून/भाषा। उत्तराखंड मंत्रिमंडल ने बुधवार को ऊर्जा और ईंधन बचत के लिए 'वर्क फ्रॉम होम', सप्ताह में एक दिन 'नो व्हीकल डे' रखने, सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने, मुख्यमंत्री समेत सभी मंत्रियों के वाहनों का बेड़ा आधा करने और नई इलेक्ट्रिक वाहन नीति लाने सहित अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में यहां हुई मंत्रिमंडल की बैठक के बाद अधिकारियों ने यह जानकारी दी । उन्होंने बताया कि बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि वैश्विक संकट के कारण ईंधन, खाद्य पदार्थ और उर्वरकों पर बढ़ते दबाव को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोगों से छोटे-छोटे व्यवहारिक बदलावों के माध्यम से सहयोग की अपील की है और इसी क्रम में उत्तराखंड में भी कई अल्पकालिक एवं दीर्घकालिक सुधार तत्काल प्रभाव से लागू किए जा रहे हैं। अधिकारियों के अनुसार मंत्रिमंडल ने निर्णय लिया कि 'वर्क फ्रॉम होम' को बढ़ावा देते हुए सरकारी विभागों में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग आधारित बैठकों को तरजीह दी जाएगी जबकि निजी क्षेत्रों को भी इसके लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि लोगों को सार्वजनिक वाहनों का अधिकतम उपयोग करने के लिए भी प्रेरित किया जाएगा। अधिकारियों के मुताबिक एक अन्य निर्णय में, मुख्यमंत्री एवं अन्य मंत्रियों के काफिले में वाहनों की संख्या आधी किए जाने, सप्ताह में एक दिन 'नो व्हीकल डे' घोषित करने तथा घर से ही कार्य करने को मंजूरी दी गयी।

असम के सभी पांच मंत्री करोड़पति हैं, एक पर आपराधिक मामला दर्ज: एडीआर रिपोर्ट

नई दिल्ली/भाषा। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की बुधवार को जारी एक रिपोर्ट के अनुसार असम में शपथ लेने वाले सभी पांच मंत्री करोड़पति हैं, जबकि उनमें से एक पर आपराधिक मामला दर्ज है। हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को लगातार दूसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। उनके साथ ही चार विधायकों – भाजपा के रामेश्वर तेली और अजंता नियोग, असम गण परिषद (अगप) के अतुल बोरा और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) के चरण बोरो – ने भी मंत्री पद की शपथ ली।

रिपोर्ट में कहा गया है कि बोरा ने अपने हलफनामे में कहा है कि उनके खिलाफ एक आपराधिक मामला दर्ज है और आरोप लोक सेवक, या बैंकर, व्यापारी या एजेंट द्वारा आपराधिक विश्वासघात (आईपीसी धारा-409) से संबंधित है।

सभी पांचों मंत्री करोड़पति हैं। मुख्यमंत्री शर्मा के पास सबसे अधिक 35 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति है, जबकि उन्होंने 16 करोड़ रुपए से अधिक की देनदारियां भी घोषित की हैं। पांचों मंत्रियों की औसत संपत्ति 10.99 करोड़ रुपए है। एक मंत्री ने अपनी शैक्षणिक योग्यता दसवीं कक्षा तक बताई है, जबकि बाकी चार मंत्रियों ने स्नातक या उससे ऊपर की शैक्षणिक योग्यता बताई है। नियोग मंत्रिमंडल में एकमात्र महिला मंत्री हैं।

साली की गोली मारकर हत्या करने के बाद जीजा ने की खुदकुशी

कुशीनगर (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर में ससुराल आए एक व्यक्ति ने बुधवार की सुबह अपनी साली की कथित तौर पर गोली मारकर हत्या करने के बाद आत्महत्या कर ली।

पुलिस सूत्रों ने यहां बताया कि जिले के तरयासुजान थाना क्षेत्र के बसडिला बुजुर्ग निवासी शंभू प्रजापति के 27-वर्षीय दामाद जितेंद्र ने सुबह नाश्ते के बाद 18-वर्षीय साली नैना कुमारी को अपने कमरे में बुलाया।

सूत्रों ने बताया कि बिहार के गोपालगंज निवासी जितेंद्र ने कमरा बंद करके नैना की गोली मारकर हत्या कर दी एवं उसके बाद अपने सिर में भी गोली मार ली। उन्होंने बताया कि इस घटना में जितेंद्र और नैना की मौके पर ही मौत हो गयी।

सूत्रों ने बताया कि गोली चलने की आवाज सुनकर परिजनों ने पुलिस को सूचना दी, जिसने मौके पर पहुंचकर कमरे का दरवाजा खोला और दोनों के शव बाहर निकाले। उन्होंने बताया कि घटना का कारण प्रेम प्रसंग बताया जा रहा है।

पुलिस क्षेत्राधिकारी जयंत यादव ने बताया कि घटना के हर पहलू की जांच कर कार्रवाई की जा रही है।

जूनियर कोच के तौर पर अनुबंध नहीं बढाने पर हॉकी इंडिया पर बरसे श्रीजेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के महान गोलकीपर पी आर श्रीजेश ने विदेशी कोचों को तरजीह देने के हॉकी इंडिया के रवैये पर सवाल उठाते हुए कहा कि अच्छे प्रदर्शन के बावजूद जूनियर टीम के मुख्य कोच रूप में उनके अनुबंध का नवीनीकरण नहीं किया गया । सोशल मीडिया पर मंगलवार को एक पोस्ट में दो बार के ओलंपिक कांस्य पदक विजेता श्रीजेश ने लिखा कि अच्छे प्रदर्शन के बावजूद उन्हें फिर कोच नहीं बनाया गया क्योंकि हॉकी इंडिया जूनियर स्तर पर भी विदेशी कोच चाहता है ।

श्रीजेश ने 'एक्स' पर लिखा ,''लगता है कि मेरा कोचिंग कैरियर डेढ साल के बाद ही खत्म हो गया है जिसमें हमने पांच टूर्नामेंट खेले और जूनियर विश्व कप समेत पांच बार पोडियम पर रहे। मैंने सुना है कि खराब प्रदर्शन के बाद कोचों को हटाया जाता है लेकिन पहली बार विदेशी कोच की नियुक्ति के लिये मुझे हटाया जा रहा है।'' तोक्यो ओलंपिक 2020 और पेरिस ओलंपिक 2024 में भारत को कांस्य पदक दिलाने में सूत्रधार रहे श्रीजेश ने कहा,'' हॉकी इंडिया अध्यक्ष का कहना है कि सीनियर पुरूष टीम के मुख्य कोच जूनियर स्तर पर भी विदेशी कोच चाहते हैं क्योंकि उनका मानना है इससे जूनियर स्तर से सीनियर स्तर पर भारतीय हॉकी के विकास में मदद मिलेगी।'' भारत की जूनियर टीम के कोच के रूप में श्रीजेश का कार्यकाल दिसंबर 2025 में खत्म हो गया था और उन्होंने इस पद के लिए पुन: आवेदन किया था। भारतीय पुरूष हॉकी टीम के मुख्य कोच दक्षिण अफ्रीका के क्रेग फुल्टोन हैं जबकि महिला टीम के कोच नीदरलैंड के शोर्ड मारिन हैं। श्रीजेश पेरिस ओलंपिक 2024 में कांस्य पदक जीतने के बाद अंडर 21 पुरूष टीम के मुख्य कोच बने थे जिनके कार्यकाल में टीम ने जूनियर एशिया कप में स्वर्ण, जूनियर विश्व कप और जोहोर कप में कांस्य पदक जीता था। श्रीजेश ने लिखा,''क्या भारतीय कोच भारतीय हॉकी का विकास नहीं कर सकते।'' उन्होंने कहा खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने भी कहा था कि देश को उनके जैसे कोचों की जरूरत है लेकिन हॉकी इंडिया का भरोसा सिर्फ विदेशी कोचों पर है।

सूर्यवंशी की प्रतिभा से काफी प्रभावित हैं रबाडा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। बेहतरीन फॉर्म में चल रहे गुजरात टाइटन्स के तेज गेंदबाज कागिसो रबाडा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में वैभव सूर्यवंशी के शानदार छक्के मारने के हुनर से बहुत प्रभावित हुए हैं। भले ही रबाडा को खुद भी सूर्यवंशी के छक्कों का सामना करना पड़ा हो लेकिन उन्होंने इस युवा प्रतिभा के खिलाफ गेंदबाजी करते समय अपनी सोच के बारे में बात करते हुए कहा, ''वह एक बेहतरीन प्रतिभा है। उसके हाथ बहुत तेज चलते हैं। इस समय वह बिल्कुल निडर बल्लेबाजी कर रहा है। उसके शरीर में डर का एक अंश भी नहीं है। ''

दक्षिण अफ्रीका के इस 30 साल के तेज गेंदबाज ने सूर्यवंशी के 'एक्स फैक्टर' (खास हुनर) पर बात करते हुए कहा 'पीटीआई से कहा, ''जब आप युवा होते हैं तो आमतौर पर ऐसा ही होता है और यह देखना वाकई बहुत दिलचस्प है। मुझे लगता है कि क्रिकेट के खेल में खासकर आईपीएल में, ऐसा देखना बहुत बढ़िया है। यह देखकर बहुत अच्छा लगता है कि क्रिकेट का खेल पूरी तरह से रोमांचक है। '' सूर्यवंशी ने पिछले दो सत्र में आईपीएल में अपने शानदार प्रदर्शन से पूरी दुनिया के क्रिकेट जगत में तहलका मचा दिया है। रबाडा ने कहा कि गेंदबाज़ी के लिए दौड़ते समय वह बल्लेबाज के बारे में बिल्कुल नहीं सोचते। वह इस सत्र में 21 विकेट लेकर गुजरात टाइटन्स के मजबूत तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुवाई कर रहे हैं।

हाल में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ हुए मैच में सूर्यवंशी ने लगातार दो छक्के जड़े थे। इसी मैच में 15 साल के इस युवा खिलाड़ी ने मोहम्मद सिराज की पहली ही गेंद पर छक्का जड़ दिया था। इस खिलाड़ी ने मैदान पर जसप्रीत बुमराह और जोश हेजलवुड जैसे बड़े नामों का भी कोई लिहाज नहीं किया है। रबाडा ने कहा, ''मैं बस यही सोचता हूं कि यह भी एक आम बल्लेबाज ही है। और मैं उसे दबाव में लाने की कोशिश करता हूं। वह निश्चित रूप से 'एक्स फैक्टर' वाला खिलाड़ी है। ऐसा खिलाड़ी जो लोगों का ध्यान खेल की तरफ खींचता है। वह शानदार है। उसके हाथ बहुत तेज चलते हैं। कोई डर नहीं। यह वाकई एक जबरदस्त संयोजन है।

पंड्या की गैरमौजूदगी चुनौतीपूर्ण लेकिन खेल आगे बढ़ता है, बॉश ने कहा

धर्मशाला/भाषा। ऑलराउंडर कोर्बिन बॉश ने बुधवार को यहां कहा कि नियमित कप्तान हार्दिक पंड्या की गैरमौजूदगी पांच बार के आईपीएल चैंपियन मुंबई इंडियन्स के लिए चुनौतीपूर्ण समय है लेकिन खेल रुकता नहीं है और आगे बढ़ता है। रविवार को रायपुर में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु से मिली करीबी हार ने मुंबई इंडियन्स को इस सत्र के प्लेऑफ की दौड़ से बाहर कर दिया। पंड्या पीठ में ऐंठन के कारण इस मैच में नहीं खेल पाए।

बेंगलूरु के खिलाफ मैच इस सत्र का तीसरा ग्रुप चरण मुकाबला था जिसमें पंड्या नहीं खेले। इससे पहले वह दिल्ली कैपिटल्स और लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ भी नहीं खेले थे। बॉश ने पंजाब किंग्स के खिलाफ मुंबई इंडियन्स के मैच की पूर्व संध्या पर कहा, ''बेशक यह मुश्किल है। हार्दिक सिर्फ नेतृत्वकर्ता ही नहीं बल्कि एक शानदार क्रिकेटर भी है। मैदान पर हमें उनकी कमी खलती है।'' उन्होंने कहा, ''मुझे यकीन है कि जो लोग फैसले कर रहे हैं और जो लोग उनकी देखभाल कर रहे हैं, वे उनके और टीम के लिए सर्वश्रेष्ठ करने का प्रयास कर रहे हैं।'' बॉश ने कहा, ''यह मुश्किल रहा है लेकिन साथ ही खेल आगे बढ़ता है और हमें अब भी क्रिकेट खेलना है।'' पंड्या की गैरमौजूदगी में तीन मैच में सूर्यकुमार यादव ने टीम की कमान संभाली और भारत के टी20 अंतरराष्ट्रीय कप्तान के बृहस्पतिवार को यहां सत्र में चौथी बार टीम की अगुआई करने की उम्मीद है। मुंबई इंडियन्स की टीम 10 टीम की तालिका में नीचे से दूसरे स्थान पर है और ऑलराउंडर बॉश ने कहा कि मौजूदा सत्र में टीम के संघर्ष का कारण संपूर्ण प्रदर्शन करने में नाकाम रहना है।

सुविचार

प्रशंसा चाहे जितनी कर लो, अपमान सोच-समझकर करना, क्योंकि अपमान वो कर्ज है, जो हर कोई ब्याज समेत चुकाता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

प्रधानमंत्री की सुरक्षा प्राथमिकता हो

पश्चिम एशिया में संघर्ष की वजह से उपजे हालात को ध्यान में रखते हुए विदेशी मुद्रा की बचत करना बहुत जरूरी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस संबंध में देशवासियों से आह्वान किया और एक आदर्श स्थापित करने के लिए अपने काफिले की गाड़ियों की संख्या में भी कटौती कर दी। उनके बाद कई मुख्यमंत्रियों और राजनेताओं ने गाड़ियों की संख्या घटाई है। इससे जनता में मितव्ययता का संदेश गया है। हमें इसके दूसरे पहलू पर भी ध्यान देना चाहिए। ईंधन की खपत कम करना स्वागत-योग्य है, लेकिन इससे प्रधानमंत्री की सुरक्षा से खिलवाड़ नहीं होना चाहिए। प्रधानमंत्री के काफिले से कुछ गाड़ियां हटा भी देंगे तो इससे ईंधन की कोई महाबचत नहीं हो जाएगी। हां, यह कदम अनजाने में उनकी सुरक्षा के चक्र को कमजोर जरूर कर सकता है। भारत पूर्व में अपने दो प्रधानमंत्रियों को सुरक्षा संबंधी चूक के कारण खो चुका है। क्या इसके बावजूद प्रधानमंत्री की सुरक्षा से जुड़ा कोई जोखिम लेना चाहिए? ईंधन की खपत कम करने के कई तरीके हैं। सत्ता पक्ष और विपक्ष के वे राजनेता जिनकी सुरक्षा को कोई खतरा नहीं है, वे आगे आएं और अपने काफिले को सीमित करें। राज्य स्तर के सभी नेतागण ऐसी पहल करें। और कर भी रहे हैं। उधर सरकारी अधिकारी और कर्मचारी भी इस आह्वान को दैनंदिन जीवन में उतारकर सकारात्मक संदेश दें। इससे प्रेरणा लेकर आम जनता ईंधन की खपत कम करेगी। इस समय ईंधन बचाना एक सामूहिक जिम्मेदारी है। समस्त देशवासियों को दृढ़ संकल्प के साथ यह निभानी होगी। आज प्रधानमंत्री से लेकर दूर-दराज के किसान तक मितव्ययता के इस महायज्ञ में अपना योगदान दे रहे हैं।

हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि प्राचीन काल में यज्ञ में विघ्न डालने के लिए आसुरी शक्तियां सिर उठाती थीं। वे सुरक्षा में सेंध लगाकर यज्ञ को भंग कर देती थीं। यज्ञ जरूरी है। उसके साथ यज्ञकर्ताओं की सुरक्षा भी जरूरी है। कहीं प्रधानमंत्री के काफिले को छोटा करवाने के पीछे कोई गहरी साजिश तो नहीं है? आईएसआई और सीआईए जैसी कुख्यात खुफिया एजेंसियां भारतीय प्रधानमंत्री के हर दौरे पर नजर रखती हैं। लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद, हिज़्बुल मुजाहिदीन, जमात-उद-दावा जैसे आतंकवादी संगठन तो सुरक्षा में कमी का फायदा उठाकर हर कहीं धमाके करने के लिए तैयार रहते हैं। याद करें, पिछले साल लाल किले के पास कार धमाका मामले में कई डॉक्टर पकड़े गए थे। पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में कई लोगों को गिरफ्तार किया गया था। भारतीय सुरक्षा बलों और खुफिया एजेंसियों ने बड़े बलिदान देकर देश में शांति एवं सुरक्षा की स्थिति मजबूत की है। अगर ईंधन बचाने के नाम पर प्रधानमंत्री की सुरक्षा में कमी की गई तो यह उन बलिदानों पर पानी फेरने जैसी कोशिश हो सकती है। इस फैसले पर पुनर्विचार होना चाहिए। सोशल मीडिया पर इसका विरोध होना चाहिए। प्रधानमंत्री की सुरक्षा किसी सूरत में कम नहीं होनी चाहिए। उनके अलावा केंद्रीय गृह मंत्री, रक्षा मंत्री, वित्त मंत्री और विदेश मंत्री की सुरक्षा से भी कोई खिलवाड़ नहीं होना चाहिए। देश के शीर्षस्थ एवं अत्यंत महत्त्वपूर्ण राजनेताओं के काफिले की गाड़ियां ईंधन की जितनी खपत करती हैं, वह देश में होने वाली कुल ईंधन खपत का एक प्रतिशत भी नहीं है। अगर इन गाड़ियों की संख्या में कटौती कर दें तो देश के कुल ईंधन खर्च के सामने वह राशि नगण्य होगी। इससे सुरक्षा का गंभीर संकट जरूर पैदा हो सकता है। भारत के दुश्मनों को कामयाब होने के लिए सिर्फ एक मौके की तलाश होती है। ईंधन बचाने की कोशिश में उन्हें ऐसा मौका हर्गिज नहीं देना चाहिए।

ट्वीटर टॉक

1998 में आज ही के दिन, भारत के न्यूक्लियर टेस्ट ने दुनिया को दिखा दिया कि हमारे देश का इरादा कितना पक्का है! 11 मई के टेस्ट के बाद, पूरी दुनिया ने भारत पर दबाव डाला, लेकिन हमने दिखा दिया कि कोई भी ताकत भारत को झुका नहीं सकती।

-नरेन्द्र मोदी

सेंट्रल बोर्ड ऑफ़ सेकेंडरी एजुकेशन की क्लास 12वीं में शानदार सफलता पाने वाले सभी स्टूडेंट्स को बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएं।यह कामयाबी आपकी बिना थके मेहनत, डिसिप्लिन, लगन और लगातार कोशिशों का नतीजा है।

-दिया कुमारी

आज उस भयानक आतंकवादी हमले को 17 साल हो गए हैं, जब एक के बाद एक हुए 9 धमाकों ने पिंक सिटी की रफ़्तार रोक दी थी। इस कायरतापूर्ण हमले में, बेगुनाह लोगों की जान चली गई और सैकड़ों लोग घायल हो गए।

-वसुंधरा राजे

प्रेरक प्रसंग

संतोष से ही खुशी

अल्बर्ट आइंस्टीन को दुनिया 'जीनियस' कहती थीसम्मान, प्रसिद्धि, पैसा सब कुछ उनके पास था। फिर भी, उनके कमरे में सादगी थीपुरानी मेज, कुछ किताबें, और एक शांत मुस्कान। एक दिन एक अमीर उद्योगपति उनसे मिलने आया। उसने कहा, 'प्रोफेसर, आपके पास इतना नाम है अगर आप चाहें तो इससे कई गुना ज्यादा पैसा कमा सकते हैं। क्यों नहीं करते?' आइंस्टीन ने जवाब नहीं दिया। वह उसे खिड़की के पास ले गए। बाहर एक छोटा बच्चा पतंग उड़ा रहा थाहवा के साथ खेलता, हंसता, गिरता, फिर उठता। आइंस्टीन बोले, 'देखिए, उसका हवा पर नियंत्रण नहीं है, लेकिन वह उसका आनंद ले रहा है।' उद्योगपति थोड़ा उलझा, 'इसका क्या मतलब?' आइंस्टीन मुस्कुराए और बोले, 'मैंने ब्रह्मांड के नियम समझे हैं, लेकिन मैंने ये भी समझा हैअगर मैं हर चीज़ को 'कंट्रोल' और 'ज्यादा' पाने में लगा दूं, तो उस बच्चे की तरह जीना भूल जाऊंगा। ज्ञान मुझे महान बना सकता है, पर संतोष ही मुझे खुश रखता है। ज़िंदगी का असली खेल सब कुछ पकड़ने में नहीं, बल्कि सही चीज़ों को छोड़कर भी मुस्कुराने में है।'

सामयिक

साझा करने का विज्ञान है 'आर्ट ऑफ गिविंग'

डॉ. अच्युत सामंत

एक प्रश्न है जिसने सदियों से दार्शनिकों, संतों और वैज्ञानिकों को समान रूप से सोचने पर मजबूर किया है। प्रश्न इतना सरल है कि कोई बच्चा भी पूछ सकता है- आख़िर देने से अच्छा क्यों लगता है? यह अच्छा लगना वैसा नहीं है जैसा कुछ पाने पर होता है। पाने का सुख क्षणिक होता है, वस्तु मिलते ही उसका आकर्षण धीरे-धीरे कम होने लगता है। लेकिन देने से जो अनुभूति होती है, वह बिल्कुल अलग होती है। वह एक शांत, स्थायी और गहरी ऊष्मा होती है, जो लंबे समय तक मन में बनी रहती है। ऐसा संतोष जो बदले में कुछ नहीं मांगता और आश्चर्य की बात यह कि जो हमें खाली नहीं, बल्कि और अधिक पूर्ण बना देता है।

हर सभ्यता ने इस प्रश्न का उत्तर खोजने की कोशिश की है और लगभग हर सभ्यता एक ही निष्कर्ष पर पहुंची है। श्रीमद्भगवद्गीता इसे निष्काम कर्म कहती है- फल की इच्छा के बिना कर्म करना। दें और फिर उसे भूल जाएं- छोड़ दें। इस अपेक्षा से न दें कि बदले में कुछ मिलेगा या लोग आपको देखेंगे और सराहेंगे। दें, क्योंकि देना उस आत्मा का स्वाभाविक गुण है, जिसने ब्रह्मांड में अपना स्थान समझ लिया है। श्रीकृष्ण कहते हैं, फल तुम्हारा अधिकार नहीं, कर्म तुम्हारा अधिकार है और देने का कर्म अपने आप में पूर्ण है।

गौतम बुद्ध ने तो उदारता यानी दान को ध्यान, अनुशासन और ज्ञान से भी पहले रखा, क्योंकि जो हाथ केवल संग्रह करना जानते हैं, वे ध्यान नहीं कर सकते। जो हृदय हर चीज़ से चिपका रहता है, वह कभी शांत नहीं हो सकता। उदारता कोई ऐसा गुण नहीं जो ज्ञान प्राप्ति के बाद आता हो, वह तो ऐसा द्वार है जिससे ज्ञान भीतर प्रवेश करता है। कुरान में सदक़ा को केवल दान नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि कहा गया है। जो तुम देते हो वह पवित्र नहीं होता, बल्कि उसे छोड़कर तुम स्वयं अधिक निर्मल हो जाते हो। यहूदी परंपरा में त्ज़ेदकाह दया नहीं बल्कि न्याय है। साझा करना कोई विशेष उदारता नहीं, यह उस संतुलन की पुनर्स्थापना है जिसे संग्रह करने की प्रवृत्ति ने बिगाड़ दिया है।

और अब, इन शिक्षाओं के लगभग ढाई हजार वर्ष बाद, आधुनिक विज्ञान भी उसी निष्कर्ष तक पहुंच गया है। अमेरिका के नेशनल इंस्टीट्यूट्स ऑफ हेल्थ के शोध बताते हैं कि जब कोई व्यक्ति दूसरों को कुछ देता है, तो मस्तिष्क का वही भाग सक्रिय हो जाता है जो भोजन, संगीत या प्रिय व्यक्ति के चेहरे को देखकर सक्रिय होता है। शरीर में ऑक्सीटोसिन और एंडोर्फिन जैसे रसायन बढ़ते हैं, जबकि तनाव का हार्मोन कॉर्टिसोल घटता है, अर्थात देने वाला व्यक्ति केवल मानसिक रूप से नहीं, बल्कि शारीरिक रूप से भी अधिक स्वस्थ होता है। मार्टिन सेलिंगमैन ने अपने शोध में पाया कि उदारता मानव जीवन की स्थायी प्रसन्नता का सबसे विश्वसनीय आधार है। प्राचीन लोग यह सब बिना प्रयोगशालाओं के जानते थे। उन्होंने जीवन को देखा और समझा। उन्होंने उस किसान को देखा जो अपना अनाज बांटता था और बदले में यह पाया कि उसके खेत कभी सूखे नहीं। उन्होंने उस मां को देखा जो पूरे मोहल्ले के बच्चों को खिलाती थी और बदले में पाया कि उसके अपने बच्चे कभी भूखे नहीं रहे। उन्होंने उस साधु को देखा जिसके पास कुछ नहीं था। फिर भी उसे किसी चीज़ की कमी नहीं थी और उन्होंने निष्कर्ष निकाला- साझा करने से कुछ घटता नहीं, बल्कि बढ़ता है। मैंने यह शिक्षा न शास्त्रों से सीखी, न विज्ञान से। मैंने इसे एक कप चाय से सीखा था। उड़ीसा के कलराबंक गांव में मेरा बचपन अत्यंत गरीबी में बीता था। चार वर्ष की आयु में पिता का निधन हो गया था। मां ने सात बच्चों को पाला। कई दिन ऐसे होते थे जब खाने को भी कुछ नहीं होता था। पांच वर्ष की आयु से मैंने छोटे-मोटे काम करने शुरू किए। जो कुछ कमाता, उसे दोस्तों के साथ बांट देता- चाय, नाश्ता, कभी फिल्म का टिकट। तब मुझे निष्काम कर्म शब्द नहीं पता था। मैंने गीता नहीं पढ़ी थी, पर एक बच्चे की सहज समझ से इतना जानता था कि बांटने से चाय का स्वाद बेहतर हो जाता है, साथ चलने से रास्ता हल्का लगता है और गरीबी भी कम भारी प्रतीत होती है।

> **उपनिषदों की एक पंक्ति मुझे वर्षों से प्रेरित करती रही है 'पूर्णमदः पूर्णमिदम्' अर्थात वह पूर्ण है, यह पूर्ण है। पूर्ण में से पूर्ण निकाल लेने पर भी पूर्ण ही शेष रहता है। 'साझा'करने का इससे सुंदर वर्णन शायद कभी नहीं लिखा गया। जब आप पूर्णता से देते हैं, तब कुछ कम नहीं होता। दीपक दूसरे दीपक को जलाता है, पर उसकी लौ कम नहीं होती। कमरा केवल अधिक प्रकाशमय हो जाता है। यह केवल दर्शन नहीं है। यह विज्ञान है, यह जीवविज्ञान है और यह हर उस मनुष्य का अनुभव है जिसने बिना गिने, बिना अपेक्षा के कुछ दिया और आश्चर्य उसे तब लगा जब उसने पाया कि उसके पास पहले से अधिक बचा है।**

वही भावना आगे चलकर कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी (कीट) विश्वविद्यालय के रूप में साकार हुई। यह पांच हजार रुपए और दो किराए के कमरों से शुरू हुआ विश्वविद्यालय है। वही भावना कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल सांइस (कीस) बनी, जो अस्सी हजार आदिवासी बच्चों का घर और विद्यालय है; और वर्ष 2013 में वही भावना आर्ट ऑफ गिविंग बन गई। आर्ट ऑफ गिविंग कोई संगठन नहीं, बल्कि एक अनुभूति है। यह समझ कि देने की इच्छा हर मनुष्य के भीतर पहले से मौजूद है। वह उस दादी में है जो सुबह पक्षियों को दाना खिलाती है। उस ऑटो चालक में है जो बुज़ुर्ग यात्री से किराया नहीं लेता। उस छात्र में है जो अपने कमजोर सहपाठी को पढ़ाने के लिए रुक जाता है। यह भावना हर जगह है, उसे केवल अभिव्यक्ति की अनुमति चाहिए। आज, तेरह वर्षों बाद आर्ट ऑफ गिविंग को दुनिया के 220 देशों में दो करोड़ से अधिक लोग मनाते हैं। वर्ष 2026 को संयुक्त राष्ट्र ने सस्टेनेबल डेवलपमेंट के लिए स्वयंसेवा का अंतरराष्ट्रीय वर्ष घोषित किया है और आर्ट ऑफ गिविंग को इस अभियान में सहयोगी बनने का गौरव प्राप्त हुआ है।

इस वर्ष का विषय है- 'शेयर टू साइन'। इसका अर्थ केवल धन देना नहीं है। इसका अर्थ है- जो तुम हो, उसे साझा करना। अपना समय, अपना ज्ञान, अपनी शांति, अपना ध्यान, अपनी उपस्थिति। किसी ऐसे व्यक्ति के साथ जो शायद चुपचाप उसकी प्रतीक्षा कर रहा हो। उपनिषदों की एक पंक्ति मुझे वर्षों से प्रेरित करती रही है- 'पूर्णमदः पूर्णमिदम' अर्थात वह पूर्ण है, यह पूर्ण है। पूर्ण में से पूर्ण निकाल लेने पर भी पूर्ण ही शेष रहता है। 'साझा' करने का इससे सुंदर वर्णन शायद कभी नहीं लिखा गया। जब आप पूर्णता से देते हैं, तब कुछ कम नहीं होता। दीपक दूसरे दीपक को जलाता है, पर उसकी लौ कम नहीं होती। कमरा केवल अधिक प्रकाशमय हो जाता है। यह केवल दर्शन नहीं है। यह विज्ञान है, यह जीवविज्ञान है और यह हर उस मनुष्य का अनुभव है जिसने बिना गिने, बिना अपेक्षा के कुछ दिया और आश्चर्य उसे तब लगा, जब उसने पाया कि उसके पास पहले से अधिक बचा है।

लेखक कीट, कीस व आर्ट ऑफ गिविंग पहल के संस्थापक हैं।

विशेष

वैश्विक संकटों के दौर में परिवार ही रिश्तों की अंतिम शरणस्थली

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

हर वर्ष 15 मई को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस एक मानवीय रिश्तों का उत्सव ही नहीं, बल्कि मानव सभ्यता को उसकी जड़ों की याद दिलाने का अवसर है। यह दिन हमें बताता है कि दुनिया चाहे कितनी भी आधुनिक, तकनीकी और आर्थिक रूप से विकसित क्यों न हो जाए, मनुष्य की सबसे पहली जरूरत आज भी परिवार ही है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा स्थापित यह दिवस इस वर्ष विशेष रूप से इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि पूरी दुनिया बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, युद्ध, हिंसा, मानसिक तनाव, अकेलेपन और टूटते मानवीय विश्वासों के संकट से गुजर रही है। ऐसे कठिन समय में परिवार केवल रहने की जगह नहीं, बल्कि मनुष्य के अस्तित्व, सुरक्षा, संस्कार और संवेदनाओं की सबसे मजबूत छत बनकर सामने आता है। आज दुनिया का सबसे बड़ा संकट आर्थिक नहीं, बल्कि भावनात्मक और नैतिक संकट है। बाजार की चकाचौंध ने आदमी को उपभोक्ता तो बना दिया, लेकिन संवेदनशील इंसान नहीं बना सकी। संबंधों में स्वार्थ का प्रवेश हुआ है। विश्वास की जगह संदेह ने ले ली है। आदमी मशीनों से जुड़ रहा है, लेकिन अपनों से कटता जा रहा है। युद्ध केवल सीमाओं पर नहीं लड़े जा रहे, वे परिवारों के भीतर भी दिखाई देने लगे हैंकृपति-पत्नी के बीच, पीढ़ियों के बीच, भाई-भाई के बीच। संवाद टूट रहे हैं, सहनशीलता घट रही है और 'मैं' का अहंकार 'हम' की भावना को निगलता जा रहा है। ऐसी परिस्थितियों में परिवार की भूमिका पहले से कहीं अधिक बढ़ जाती है। परिवार केवल रक्त संबंधों का समूह नहीं है, वह जीवन-मूल्यों का विद्यालय है। वहीं मनुष्य पहली बार प्रेम सीखता है, त्याग सीखता है, सहयोग, अनुशासन, धैर्य और सह-अस्तित्व की भावना सीखता है। यदि परिवार स्वस्थ है तो समाज स्वस्थ होगा, समाज स्वस्थ होगा तो राष्ट्र और विश्व भी संतुलित रहेंगे। इसलिए आज आवश्यकता केवल परिवार बचाने की नहीं, बल्कि परिवारों को मूल्यनिष्ठ बनाने की है।

आज जब महंगाई लगातार बढ़ रही है, जीवन की आवश्यकताएं महंगी होती जा रही हैं और बेरोजगारी युवाओं के सपनों को तोड़ रही है, तब संयुक्त परिवार की अवधारणा फिर प्रासंगिक बनती दिखाई दे रही है। संयुक्त परिवार केवल आर्थिक साझेदारी नहीं, बल्कि भावनात्मक सुरक्षा का भी आधार है। वहां संसाधनों का साझा उपयोग होता है, जिम्मेदारियां बांटी जाती हैं और संकट अकेले व्यक्ति पर नहीं टूटता। अकेलेपन से उपजी अवसाद की समस्याएं संयुक्त परिवारों में अपेक्षाकृत कम दिखाई देती हैं क्योंकि वहां संवाद और अपनापन जीवित रहता है। वास्तव में आधुनिक सभ्यता ने स्वतंत्रता तो दी, लेकिन उस स्वतंत्रता ने कई बार व्यक्ति को संबंध-विहीन भी बना दिया। महानगरों के छोटे-छोटे फ्लैटों में रहने वाले हजारों लोग आर्थिक रूप से संपन्न होकर भी भीतर से बेहद अकेले हैं। वृद्ध माता-पिता उपेक्षा के शिकार हैं, बच्चे संस्कारों से दूर हो रहे हैं और पति-पत्नी के बीच संबंधों की ऊष्मा कम होती जा रही है। यही कारण है कि मानसिक रोग, तनाव, असुरक्षा और आत्महत्याओं की घटनाएं बढ़ रही हैं। यह केवल व्यक्तिगत विफलता नहीं, परिवार संस्था के कमजोर पड़ने का संकेत है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि परिवार को केवल उपभोग और सुविधा का केंद्र न बनाकर उसे अहिंसा की प्रयोगशाला बनाया जाए। अहिंसा का अर्थ केवल किसी को शारीरिक चोट न पहुंचाना नहीं है। कठोर शब्दों से बचना, अपमान न करना, एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करना, क्रोध पर संयम रखना, संवाद बनाए रखना और क्षमा का अभ्यास करना भी अहिंसा है। यदि परिवार के भीतर हिंसक भाषा, कटुता, अपमान और असहिष्णुता होगी तो समाज में शांति की कल्पना कैसे की जा सकती है? परिवार वह पहला स्थान होना चाहिए जहां बच्चा सहिष्णुता और करुणा का पाठ सीखे। जहां उसे यह सिखाया जाए कि जीवन प्रतियोगिता नहीं, सह-अस्तित्व है। जहां बुजुर्ग बोझ नहीं, अनुभवों की धरोहर माने जाएं। जहां स्त्री को सम्मान मिले, बच्चों को संस्कार मिले और युवाओं को विश्वास मिले। आज दुनिया में बढ़ती हिंसा का एक बड़ा कारण यह भी है कि परिवारों में संवाद और संवेदना कमजोर हो रही है। बच्चे मोबाइल से बातें कर रहे हैं, लेकिन माता-पिता से नहीं। परिवार साथ रहते हुए भी भीतर से बिखर रहा है।

जलवायु परिवर्तन, युद्ध और आर्थिक अस्थिरता ने पूरी दुनिया को असुरक्षित बना दिया है। यूक्रेन-रूस युद्ध हो या पश्चिम एशिया के संघर्ष, इन सबका सबसे अधिक प्रभाव परिवारों पर ही पड़ता है। लाखों लोग विस्थापित हो जाते हैं, बच्चे अनाथ हो जाते हैं और महिलाएं असुरक्षा का सामना करती हैं। इन वैश्विक संकटों के बीच परिवार ही वह इकाई है जो टूटे हुए मनुष्य को फिर जीने का साहस देती है। इसलिए संयुक्त राष्ट्र इस वर्ष परिवार-केंद्रित नीतियों पर विशेष बल दे रहा है।

क्योंकि सतत विकास केवल आर्थिक विकास से संभव नहीं, बल्कि मजबूत और मूल्यनिष्ठ परिवारों से ही संभव है। भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी शक्ति भी उसका परिवार तंत्र रहा है। यहां परिवार केवल सामाजिक व्यवस्था नहीं, बल्कि आध्यात्मिक और सांस्कृतिक संस्था है। रामायण और महाभारत जैसे महाकाव्य केवल युद्ध कथाएं नहीं, बल्कि पारिवारिक मूल्यों, संबंधों, कर्तव्यों और त्याग की महान गाथाएं हैं। भारतीय जीवनदृष्टि वसुधैव कुटुम्बकम् की बात करती हैकृअर्थात पूरी पृथ्वी ही परिवार है। यदि इस भावना को व्यवहार में उतारा जाए तो युद्ध, हिंसा, आतंक और घृणा की कोई जगह नहीं बचेगी। लेकिन दुर्भाग्य यह है कि आज परिवारों में भी उपभोक्तावादी संस्कृति प्रवेश कर चुकी है। रिश्तों को भी लाभ-हानि के तराजू पर तौला जाने लगा है। सहनशीलता कम हो रही है और अपेक्षाएं बढ़ रही हैं। छोटी-छोटी बातों पर टूटते संबंध इस बात का संकेत हैं कि हमने सुविधा तो बढ़ाई, लेकिन संवेदना खो दी। जबकि परिवार की असली ताकत संपत्ति नहीं, बल्कि विश्वास होता है। जहां विश्वास बचा रहता है, वहां अभाव भी उत्सव बन जाते हैं; और जहां विश्वास टूट जाता है, वहां वैभव भी बोझ बन जाता है।

आज परिवारों को नई दिशा देने की आवश्यकता है। घरों में सामूहिक भोजन की परंपरा लौटे, संवाद का समय तय हो, बुजुर्गों के अनुभवों को महत्व मिले, बच्चों को केवल करियर नहीं बल्कि चरित्र निर्माण की शिक्षा मिले। परिवारों में क्रोध के स्थान पर करुणा, प्रतिस्पर्धा के स्थान पर सहयोग और अधिकार के स्थान पर कर्तव्य की भावना विकसित करनी होगी। यही परिवार को अहिंसा की प्रयोगशाला बना सकता है। दरअसल, भविष्य की सबसे बड़ी लड़ाई हथियारों की नहीं, मूल्यों की होगी।

जिस समाज के परिवार टूट जाएंगे, वहां सामाजिक स्थिरता भी नहीं बचेगी। इसलिए अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस केवल उत्सव का दिन नहीं, बल्कि आत्ममंथन का अवसर है। हमें सोचना होगा कि हम अपने बच्चों को कैसी दुनिया देना चाहते हैंकृघृणा और अकेलेपन की दुनिया या प्रेम और विश्वास की दुनिया? यदि परिवारों में प्रेम, संवाद, सहिष्णुता, अहिंसा और साझेदारी का वातावरण बनेगा तो दुनिया के बड़े से बड़े संकटों का सामना किया जा सकता है। परिवार केवल एक सामाजिक संस्था नहीं, बल्कि मनुष्य की आत्मा का आश्रय है। वह जीवन की तपती धूप में शीतल छांव है, संघर्षों में सहारा है और टूटते विश्वासों के बीच उम्मीद की अंतिम किरण है। इसलिए आज सबसे बड़ी जरूरत हैकृपरिवार को बचाने की नहीं, परिवार के भीतर मानवीय मूल्यों को बचाने की। यही मानवता का भविष्य सुरक्षित करेगा और यही अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस का वास्तविक संदेश भी है।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

'सच्चा' अंतर-धार्मिक प्रेम सही, लेकिन हिंदू लड़कियों को बहकाने की साजिश चिंताजनक: आरएसएस

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शीर्ष पदाधिकारी दत्तात्रेय होसबाले ने कहा है कि अलग-अलग धर्मों के व्यक्तियों के बीच होने वाले 'सच्चे प्रेम' पर कोई सवाल नहीं उठाया जा सकता, लेकिन हिंदू लड़कियों को निशाना बनाकर की जाने वाली कोई भी सुनियोजित साजिश निश्चित रूप से चिंताजनक है।

होसबाले ने 'पीटीआई वीडियो' के साथ विशेष साक्षात्कार में कहा कि स्वयंसेवकों के बीच ऐसे कई मामले हैं जिन्होंने सच्चे प्रेम के लिए जाति, धर्म और यहां तक कि राष्ट्रीयता की सीमाओं को पार करते हुए विवाह किया और संघ ने इसे हमेशा स्वाभाविक मानते हुए स्वीकार किया है।

आरएसएस के सरकार्यवाह (महासचिव) ने एक दुर्लभ और बेबाक साक्षात्कार में कहा, हमने उन शादियों का स्वागत किया, उनमें जश्न मनाया और उनमें शामिल हुए। उन्होंने कहा, अगर यह सिर्फ सच्चा प्यार है, तो कोई सवाल ही नहीं। लेकिन अगर यह जिहाद है, तो सवाल उठता है।

जब उनसे पूछा गया कि वह 'लव जिहाद' को कैसे परिभाषित करते हैं, तो होसबाले ने कहा, दरअसल किसी ने भी इसे परिभाषित नहीं किया है। लव जिहाद शब्द का प्रयोग सबसे पहले किसी उच्च न्यायालय के न्यायाधीश ने किया था। इसलिए इसमें हमारा कोई योगदान नहीं है।

हिंदू दक्षिणपंथी अक्सर मुस्लिम पुरुष और हिंदू महिला के बीच के संबंध के लिए इस शब्द का इस्तेमाल करते हैं। उन्होंने कहा, बात यह है कि जब दो व्यक्ति प्रेम में होते हैं, तो धर्म, राष्ट्रीयता आदि का कोई महत्व नहीं होता। इस प्रकार वह प्रेम सच्चा होता है। उन्होंने कहा कि, लेकिन जब यह एक एजेंडा बन जाता है और हिंदू लड़कियों को अगवा करने की सुनियोजित साजिश रची जाती है, तो इससे सवाल उठते हैं और टकराव पैदा होता है। उन्होंने कहा, फिर डीएनए वाली बात लागू नहीं होती, क्योंकि अगर कोई समान डीएनए होने के बावजूद किसी गांव से किसी लड़की को जबरन ले जा रहा है मुसलमानों की बात छोड़ भी दें तो यह प्रेम नहीं है। होसबाले ने यह टिप्पणी संघ प्रमुख मोहन भागवत के उस बयान के संदर्भ में की, जिसमें उन्होंने कहा था कि भारत के हिंदुओं और मुसलमानों का डीएनए समान है।

आरएसएस नेता ने इस बात पर जोर दिया कि वह केवल हिंदू लड़कियों के बारे में बात नहीं कर रहे हैं और अगर किसी अन्य समुदाय की लड़की का अपहरण भी होता है तो इसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है। उन्होंने कहा, आप यह नहीं कह सकते कि 'चूंकि हम एक ही डीएनए से संबंधित हैं, इसलिए यह ठीक है। यह ठीक नहीं है। यही कारण है कि यह सामाजिक रूप से स्वीकार्य होना चाहिए। किसी समाज में प्रेम वर्जित नहीं है। जब उनसे पूछा गया कि क्या उनका मतलब यह है कि संघ अलग-अलग धर्मों या समुदायों के व्यक्तियों के बीच प्रेम विवाह के खिलाफ नहीं है, तो उन्होंने कहा कि स्वयंसेवकों के कई परिवार ऐसे हैं जहां लोगों ने अपनी जाति, समुदाय या धर्म से बाहर शादी की है।

विदेश में रहने वाले भारतीय 'जैसा देश वैसा भेष अपनाएं' : होसबाले

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने विदेशों में रहने वाले भारतीयों से अपील की है कि वे भारतीय मूल्यों और संस्कृति से जुड़े रहते हुए स्थानीय समुदाय के लिए अधिक योगदान दें, ताकि वे वहां के समाज में बेहतर ढंग से घुल-मिल सकें।

होसबाले ने 'पीटीआई-वीडियो के साथ एक विशेष साक्षात्कार में भारतीय प्रवासियों से अपील की कि वे अपने धार्मिक, भाषाई और जातिगत विभाजनों को अंगीकृत देश तक न ले जाएं, बल्कि खुद को तेलुगु, पंजाबी या तमिल समूह के बजाय एक एकजुट भारतीय समुदाय के रूप में प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा, जैसा देश वैसा भेष। इस कहावत का पालन करना होगा।

होसबाले इस सवाल पर टिप्पणी कर रहे थे कि क्या विदेशों में रहने वाले भारतीय, विशेषकर अमेरिका में, अपनी भारतीयता को अत्यधिक आक्रामक रूप से प्रदर्शित करके अपने स्थानीय समकक्षों से अनावश्यक रूप से प्रतिकूल ध्यान आकर्षित कर रहे हैं। उदाहरण के लिए, न्यूयॉर्क टाइम्स की एक खबर के अनुसार, टेक्सास में एक भारतीय समुदाय ने हाल ही में हनुमान जी की 90 फुट ऊंची प्रतिमा का निर्माण किया, जिससे कुछ लोगों में असहजता पैदा हुई।

होसबाले ने कहा कि भारतीयों द्वारा किया गया कोई भी कार्य अवैध नहीं है, जिसमें प्रतिमा या मंदिरों का निर्माण भी शामिल है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि भारतीयों को मेजबान देश के निर्माण में योगदान देना चाहिए। उन्होंने कहा, जिस समुदाय, समाज और राष्ट्र में आप रहते हैं, उसके प्रति आपका दायित्व है। आपकी निष्ठा पर कोई सवाल नहीं उठना चाहिए। आपको अपने व्यवहार से इसे प्रदर्शित करना चाहिए। भारत के साथ आपका जुड़ाव स्वाभाविक है, यह होना ही चाहिए, लेकिन आपको अपने आसपास के समुदाय के प्रति भी चिंतित रहना चाहिए, जहां आप रह रहे हैं। उनकी सेवा करनी चाहिए।

जश्न

बिहार के पटना जिले में सीबीएसई क्लास 12 के परीक्षा परिणाम घोषित होने के बाद छात्र जश्न मनाते हुए।

ट्रंप बीजिंग पहुंचे: चिनफिंग से ईरान युद्ध, व्यापार सहित विभिन्न मुद्दों पर होगी चर्चा

बीजिंग/भाषा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बुधवार को तीन दिवसीय राजकीय दौरे पर चीन पहुंचे। इस दौरान वह अपने चीनी समकक्ष राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ ईरान युद्ध सहित कई वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करेंगे।

राष्ट्रपति चिनफिंग के निमंत्रण पर चीन की यात्रा पर आए ट्रंप का हवाई अड्डे पर उपराष्ट्रपति हान झेंग ने स्वागत किया।

विश्व की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के राष्ट्राध्यक्ष सातवीं बार आमने-सामने की बातचीत करेंगे। इससे पहले ट्रंप-चिनफिंग ने अक्टूबर 2025 में दक्षिण कोरिया के बुसान में आमने-सामने की बैठक की थी।

अमेरिकी राष्ट्रपति नौ वर्षों में अपनी दूसरी चीन यात्रा पर बीजिंग पहुंचे हैं ताकि व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिया जा सके और टैरिफ को लेकर चल रहे तनाव को समाप्त किया जा सके। टैरिफ की वजह से अमेरिका को चीन से होने वाले 525 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक के निर्यात प्रभावित हो रहे थे।

ट्रंप शीर्ष कंपनियों के सीईओ के साथ बीजिंग पहुंचे हैं। वह अपने पहले कार्यकाल के दौरान 2017 में चीन का दौरा करने वाले अंतिम अमेरिकी राष्ट्रपति थे।

अमेरिका की प्रधान उप प्रेस सचिव अन्ना केली ने रविवार को कहा था कि राष्ट्रपति ट्रंप बृहस्पतिवार को शी चिनफिंग के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे। उन्होंने बताया कि दोनों नेता शुक्रवार को चाय पर मुलकात करेंगे और उसी दिन दोपहर के भोज पर भी बैठक करने का कार्यक्रम है।

केली के मुताबिक अमेरिका इस साल के अंत में चीन के राष्ट्राध्यक्ष की पारस्परिक यात्रा की मेजबानी करने की योजना बना रहा है। ट्रंप के बीजिंग पहुंचने से पहले, चीन के उप-प्रधानमंत्री हे लिफेंग और अमेरिका के वित्तमंत्री स्कॉट बेसेंट ने दक्षिण कोरिया में व्यापार वार्ता का अंतिम दौर पूरा किया। हालांकि, इस बातचीत की विस्तृत जानकारी साझा नहीं की गई है। , जिसके विवरण ज्ञात नहीं हैं।

बातचीत व्यापार और शुल्क, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और प्रौद्योगिकी, ताइवान और अमेरिका द्वारा ताइवान को हथियारों की बिक्री, ईरान और पश्चिम एशिया की सुरक्षा और दुर्लभ धातुओं और आपूर्ति शृंखलाओं पर केंद्रित किया गया।

ट्रंप अपनी तीन दिवसीय चीन यात्रा के दौरान टेंपल ऑफ हेवन भी जाएंगे, जो शाही मंदिरों का एक परिसर है जहां सम्राट अच्छी फसल के लिए प्रार्थना करते थे।

बीजिंग रवाना होने से पहले, ट्रंप ने वाशिंगटन में मीडिया से कहा कि वह शी चिनफिंग से व्यापार के बारे में सबसे ज्यादा बात करेंगे। उन्होंने कहा कि वह अमेरिकी खाद्य पदार्थों और विमानों की अधिक खरीद के लिए चीन के साथ और अधिक समझौते करने की योजना बना रहे हैं।

मानसिक बीमारी पर खुलकर बोलीं लीसा रे, कहा- मदद मांगना कमजोरी नहीं, हिम्मत की निशानी है

मुंबई/एजेन्सी

आज के समय में मेंटल हेल्थ एक बड़ा मुद्दा बन चुका है। तेज रफ्तार जिंदगी, काम का दबाव, रिश्तों में दूरियां और अकेलापन कई लोगों को अंदर ही अंदर मानसिक रूप से कमजोर बना रहा है। लेकिन कई लोग ऐसे हैं, जो मानसिक स्वास्थ्य को लेकर खुलकर अपनी बात रख रहे हैं। इसी बीच अभिनेत्री लीसा रे ने भी मेंटल हेल्थ अवेयरनेस मंथ पर कई अहम बातें साझा की हैं। लीसा रे ने इंस्टाग्राम पर वेब सीरीज 'फोर मोर शॉट्स प्लीज!' में अपने किरदार समारा कपूर के सीन्स की क्लिप शेयर की। इस सीरीज में उनका किरदार बाइपोलर डिसऑर्डर जैसी मानसिक बीमारी से जूझ रहा होता है। लीसा ने कैप्शन में लिखा, मेंटल हेल्थ अवेयरनेस मंथ हमें यह याद दिलाता है कि मानसिक उपचार एक आसान प्रक्रिया नहीं होती और हर व्यक्ति की कहानी मायने रखती है। इंसान कभी अच्छा महसूस करता है तो कभी अचानक टूट जाता है। इसी उतार-चढ़ाव को मेरे किरदार समारा कपूर ने सीरीज में दिखाने

की कोशिश की थी।

उन्होंने आगे कहा, समारा कपूर की कहानी में उन हजारों लोगों की जिंदगी की झलक दिखाई गई थी, जो मानसिक परेशानियों से लड़ रहे हैं। इस किरदार में दिखाया गया कि बाइपोलर डिसऑर्डर से जूझ रहे इंसान के मन में लगातार भावनात्मक बदलाव होते रहते हैं। कभी बहुत ज्यादा खुशी महसूस होती है, तो कभी इंसान अचानक गहरी उदासी में चला जाता है। कई बार वह खुद को अकेला और असुरक्षित महसूस करने लगता है।लीसा रे ने कहा, सीरीज के कुछ सीन्स इतने वास्तविक थे कि मैं खुद भी भावुक हो जाती थी। समारा का अचानक गुस्सा होना, जल्दबाजी में फैसले लेना, छोटी-छोटी बातों पर टूट जाना और रिश्तों में उलझन महसूस करना सच्चाई के साथ दिखाया गया था। कई लोग अपनी परेशानी छिपाते रहते हैं क्योंकि उन्हें डर होता है कि समाज उन्हें कमजोर समझेगा।अभिनेत्री ने इस बात पर भी जोर दिया कि मानसिक बीमारी किसी इंसान की पहचान नहीं होती। उन्होंने कहा, अगर कोई व्यक्ति मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्या से जूझ रहा है तो इसका मतलब यह नहीं कि वह कमजोर है या प्यार पाने के लायक नहीं है। ऐसे लोगों को सबसे ज्यादा जरूरत समझदारी, प्यार और सहयोग की होती है। परिवार, दोस्त, सही इलाज, थेरेपी और खुलकर बातचीत मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में बहुत मदद करते हैं। लीसा रे ने लोगों से अपील की कि वे अपने आसपास के लोगों का हाल जरूर पूछें, क्योंकि कई लोग बाहर से मुस्कुराते हुए नजर आते हैं, लेकिन अंदर से टूटे हुए होते हैं। जरूरत पड़ने पर मदद मांगना कभी कमजोरी नहीं होती, बल्कि यह हिम्मत और समझदारी की निशानी है।

लारा दत्ता ने आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर को दी 70वें जन्मदिन की शुभकामनाएं

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री लारा दत्ता अक्सर अपनी प्रोफेशनल लाइफ के साथ-साथ अपनी आध्यात्मिकता को लेकर भी चर्चा में रहती हैं। इसी कड़ी में उन्होंने बुधवार को आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रवि शंकर के 70वें जन्मदिन पर एक पोस्ट किया। इस पोस्ट के जरिए लारा ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए अपने दिल की बात खुलकर व्यक्त की। लारा दत्ता ने इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें पोस्ट की। इन तस्वीरों में वह गुरुदेव के साथ नजर आ रही है। इस पोस्ट के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, गुरुदेव, 70वें जन्मदिन की शुभकामनाएं। आपके साथ हमेशा सबसे मंगल हो! आप लंबी उम्र जिएं और हम हमेशा आपका सानिध्य मिलता रहे। लारा दत्ता के पोस्ट पर फैंस जमकर कमेंट कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'बहुत सुंदर विचार और बहुत प्यारी तस्वीरें' दूसरे यूजर ने लिखा, 'गुरुदेव को जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं'

अन्य ने लिखा, 'आपकी श्रद्धा और सम्मान देखकर बहुत अच्छा लगा, सच में इंस्पायरिंग' और 'भगवान आपको और आपके परिवार को हमेशा खुश रखे, जय गुरुदेव' लारा दत्ता के बारे में बात करें तो उन्होंने अपने करियर की शुरुआत इंटरनेशनल ब्यूटी पेजेंट से की, जहां उन्होंने 1997 में मिस इंटरकॉन्टिनेंटल और फिर साल 2000 में मिस यूनिवर्स का खिताब जीता। इसके बाद उन्होंने फिल्मी दुनिया में कदम रखा और 2003 में फिल्म 'अंदाज' से बॉलीवुड डेब्यू किया, जिसमें उनके अभिनय को खूब सराहा गया और उन्हें फिल्मफेयर बेस्ट फीमेल डेब्यू अवॉर्ड भी मिला।

इसके बाद उन्होंने 'मस्ती', 'नो एंट्री', 'जुर्म', 'काल', 'भागम भाग', 'पार्टनर', 'हाउसफुल' और 'ब्लू' जैसी कई बड़ी फिल्मों में काम किया। 'डॉन 2' में भी उन्होंने शाहरुख खान के साथ अहम भूमिका निभाई। लारा ने केवल फिल्मों तक खुद को सीमित नहीं रखा, बल्कि ओटीटी और टीवी की दुनिया में भी कदम रखा। उन्होंने 'बीचम हाउस' जैसी इंटरनेशनल वेब सीरीज, 'हंड्रेड', 'कौन बनेगी शिखरवती' और 'रणनीति: बालाकोट एंड बियॉन्ड' जैसे डिजिटल प्रोजेक्ट्स में भी दमदार अभिनय किया। 'बेल बॉटम' में उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की भूमिका निभाई, जिसे दर्शकों और समीक्षकों ने सराहा। इसके अलावा उन्होंने 'सिंह इज ब्लिंग', 'फितूर', 'अजहर' और 'वेलकम टू न्यूयॉर्क' जैसी फिल्मों में भी काम किया।

आसान अभिनय काफी कर चुकी, अब खुद को बेहतर साबित करना है : पलक तिवारी

मुंबई/एजेन्सी

टीवी इंडस्ट्री की मशहूर अभिनेत्री श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी ने बहुत कम समय में मनोरंजन जगत में अपनी अलग पहचान बना ली है। बॉलीवुड में कदम रखने के बाद से ही पलक लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। अब वह ऐसे रोल चुनना चाहती हैं जो उन्हें एक अभिनेत्री के तौर पर चुनौती दें और उनके अभिनय की असली क्षमता सामने लाएं। इस बीच पलक तिवारी ने आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में अपनी आने वाली ओटीटी सीरीज 'लुक्खे' को लेकर बात की और बताया कि आखिर इस प्रोजेक्ट ने उन्हें इतना प्रभावित क्यों किया। आईएएनएस से बात करते हुए पलक तिवारी ने बताया कि उन्हें अब ऐसे किरदारों की तलाश है, जिनमें अभिनय की गहराई हो। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, मैं अब तक 'आसान अभिनय' काफी कर चुकी हूं। अब खुद को एक मजबूत कलाकार के तौर पर बेहतर साबित करना चाहती हूं। यही वजह है कि मैंने 'लुक्खे' जैसी गंभीर और भावनात्मक कहानी को चुना। पलक ने कहा, ''इस सीरीज के ऑडिशन के दौरान मुझे कहानी या अपने किरदार के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी गई थी। मुझे सिर्फ दो-तीन सीन्स पढ़ने के लिए दिए गए थे। लेकिन उन सीन्स को पढ़ते ही मैं इमोशनल हो गईं। एक सीन ऐसा था, जिसे पढ़ते समय मेरी आंखों में आंसू आ गए। खास बात यह थी कि उस समय मुझे पूरी कहानी का कॉन्सेप्ट भी नहीं पता था, फिर भी मैं उससे गहराई से जुड़ गईं।''

अभिनेत्री ने कहा, ''किसी कलाकार के लिए वो एहसास बेहद खास होता है, जब कोई कहानी सीधे दिल को छू जाए। कई बार कलाकार स्क्रिप्ट पढ़ते हैं, लेकिन भावनात्मक रूप से उससे जुड़ नहीं पाते। हालांकि, 'लुक्खे' की कहानी ने मुझे अंदर तक प्रभावित किया।

उसी समय मैंने तय कर लिया था कि मुझे किसी भी तरह इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना है।''पलक ने कहा, ''जब कोई अभिनेता खुद कहानी की भावनाओं को महसूस करता है, तो अभिनय करना कहीं ज्यादा आसान हो जाता है। इस सीरीज ने मुझे कुछ नया और अलग करने का मौका दिया। इस तरह का गंभीर और भावनात्मक ड्रामा करना हमेशा से मेरा सपना रहा है। मजबूत कहानी ही कलाकार को बेहतर काम करने के लिए प्रेरित करती है।''पलक तिवारी ने बॉलीवुड में सलमान खान की फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' से शुरुआत की थी। अब पलक जल्द ही ओटीटी की दुनिया में कदम रखने जा रही हैं। उनकी नई सीरीज 'लुक्खे' में उनके साथ रैपर किंग, शिवांकित परिहार, लक्षवीर सिंह सरन और राशि खन्ना भी नजर आएंगे। 'लुक्खे' 8 मई को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने जा रही है।

पिता की याद में रुपाली गांगुली ने लगाया पेड़, लोगों से की पर्यावरण बचाने की अपील

मुंबई/एजेन्सी

टीवी की लोकप्रिय अभिनेत्री रुपाली गांगुली अभिनय के साथ-साथ सामाजिक मुद्दों पर भी खुलकर राय रखती हैं। पर्यावरण और प्रकृति को लेकर भी वह कई बार जागरूकता फैलाती नजर आई हैं। इसी बीच विश्व पर्यावरण दिवस से पहले रुपाली गांगुली ने एक खास पहल में हिस्सा लिया, जिसकी झलक उन्होंने इंस्टाग्राम पर वीडियो के जरिए साझा की। उन्होंने अपने दिवंगत पिता की याद में एक पेड़ लगाया और लोगों से भी धरती को बचाने और हरियाली बढ़ाने की अपील की। रुपाली गांगुली ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह पेड़ लगाने के मुहिम में हिस्सा लेती नजर आईं। वीडियो की शुरुआत में अभिनेत्री अपनी कार से उतरती दिखाई देती हैं। इसके बाद वह पूरे उत्साह के साथ पौधा लगाने की प्रक्रिया में जुट जाती हैं। वीडियो में रुपाली कभी मिट्टी डालती नजर आती हैं, तो कभी लोगों की मदद करती दिखाई देती हैं।

फैंस ने उनकी इस पहल की जमकर तारीफ की और कहा कि कलाकारों द्वारा ऐसे संदेश समाज पर अच्छा असर डालते हैं। इस वीडियो के साथ रुपाली गांगुली ने एक लंबा कैप्शन भी लिखा, जिसके जरिए उन्होंने कहा, ''इस कैंपेन का हिस्सा बनना मेरे लिए सम्मान की बात थी। मुझे पेड़ लगाने का मौका मिला और विश्व पर्यावरण दिवस की शुरुआत का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद खास अनुभव रहा। अपने पिता के नाम पर पेड़ लगाना इस पल को और ज्यादा भावुक और यादगार बना गया।''

रुपाली ने अपने पोस्ट में धरती और प्रकृति के महत्व पर भी बात की। उन्होंने कहा, ''इस धरती ने हमें जीवन की हर जरूरी चीज दी है और अब हमारी जिम्मेदारी है कि हम इसकी देखभाल करें। मेरी लोगों से अपील है कि सभी को मिलकर दुनिया को ज्यादा हरा-भरा, स्वस्थ और जीवन से भरपूर बनाने की कोशिश करनी चाहिए। हर पेड़ महत्वपूर्ण होता है और हर छोटा कदम भी बड़ा बदलाव ला सकता है।''

गौरतलब है कि रुपाली गांगुली के पिता अनिल गांगुली हिंदी सिनेमा के मशहूर फिल्म निर्देशक और लेखक रहे हैं। उनका निधन 15 जनवरी 2016 को 82 वर्ष की उम्र में हुआ था। वह लंबे समय तक हिंदी फिल्म इंडस्ट्री का अहम हिस्सा रहे और उन्होंने कई यादगार फिल्मों का निर्देशन किया। 'कोरा कागज', 'तपस्या', 'साहेब', 'तृष्णा', 'खानदान' और 'हम कदम' जैसी फिल्मों के जरिए उन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई थी। उनकी कई फिल्मों को राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिले थे और दर्शकों ने उनके काम को खूब सराहा था।

अभिनेत्री सुम्बुल तौकीर ने कहा-ज्यादा घंटे काम करने के बाद आराम जरूरी

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री सुम्बुल तौकीर ने टीवी में लंबे काम के घंटों पर अपने विचार शेयर करते हुए कहा कि ज्यादा घंटे काम करने के बाद तरोताजा होने के लिए आराम जरूरी है। आईएएनएस के साथ बातचीत में सुम्बुल ने बताया कि हर दिन इतने लंबे समय तक काम करने का असर किसी की भी शारीरिक और मानसिक सेहत पर पड़ना तय है और इसलिए ठीक से आराम करना बहुत जरूरी है। जब उनसे पूछा गया कि टीवी में लंबे काम के घंटों के बारे में आपके क्या विचार हैं तो उन्होंने जवाब देते हुए कहा कि मैंने लगभग हर शो में लंबे काम के घंटे अनुभव किए हैं। शारीरिक और मानसिक, दोनों तरह से यह बहुत थकाने वाला होता है। आप लगातार परफॉर्म कर रहे होते हैं, डायलॉग याद कर रहे होते हैं और फोकस बनाए रखते हैं। अगर आप ज़्यादा घंटे काम कर रहे हैं, तो उसके बाद दोबारा तरोताजा होने के लिए ठीक से आराम करना जरूरी है।

यह पूछे जाने पर कि क्या उन्हें कभी सेट पर बर्ताव को लेकर कोई दिक्कत हुई तो उन्होंने इससे इनकार करते हुए कहा कि अगर कभी ऐसा होता है, तो मैं निश्चित रूप से इसके बारे में बात करूंगी। बातचीत के दौरान, सुम्बुल ने यह भी बताया कि बदलते दर्शकों के टेस्ट और ओटीटी प्लेटफॉर्म के बढ़ते चलन के बीच टीवी में कहानी कहने के तरीके को भी बदलने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे समय आगे बढ़ता है, कहानी कहने के पैटर्न को भी बदलना चाहिए। हम बार-बार वही कंटेंट पेश नहीं कर सकते। अगर टीवी में कहानी कहने के तरीके में सुधार की कोई गुंजाइश है, तो निश्चित रूप से उस पर काम किया जाना चाहिए।एक एक्टर के तौर पर अपने विकास पर बात करते हुए अभिनेत्री ने कहा कि न सिर्फ एक एक्टर के तौर पर, बल्कि उनकी इस यात्रा ने उन्हें एक इंसान के तौर पर भी बेहतर बनाया है। सुम्बुल ने माना कि समय के साथ वह काफी ज़्यादा मिलनसार हो गई हैं।

उन्होंने कहा कि एक एक्टर के तौर पर, मैं निश्चित रूप से बेहतर हुई हूं, लेकिन मुझे लगता है कि एक इंसान के तौर पर मैं और भी ज़्यादा निखरी हूं। जब मैंने पहली बार इंडस्ट्री में कदम रखा था, तो मैं काफी अंतर्मुखी थी। मैं ज़्यादा बात नहीं करती थी और बहुत शर्मीली थी। समय के साथ, इसमें काफी बदलाव आया है।

व्यासरपाडी में निःशुल्क नेत्र जांच शिविर सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। महावीर इंटरनेशनल चेन्नई नॉर्थ टाउन द्वारा चेन्नई मेट्रो चैप्टर के सहयोग से रविवार को बीएपीएस स्वामीनारायण अक्षरधाम मंदिर, व्यासरपाडी में निःशुल्क नेत्र शिविर का आयोजन शांतिलाल संजय चौधरी के सहयोग से किया गया।

अग्रवाल आई हास्पिटल की टीम द्वारा 32 लोगों की नेत्र जांच की गई, जिसमें 21 जनों को चश्मे दिए गए तथा 7 जनों को मोतियाबिंद सर्जरी के लिए अग्रवाल आई हास्पिटल भेजा गया। शिविर को सफल बनाने में अंतर्राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ज्ञानचंद कोठारी, चेन्नई मेट्रो से सचिव दिलीप मेहता, नेत्र शिविर डायरेक्टर नरेश खींचा, नार्थ टाउन से चेयरमैन शांतिलाल चौधरी, वाइस चेयरमैन महावीर खीचा, सचिव महावीर सबदड़ा, सह सचिव बुधप्रकाश दोशी आदि सदस्यों ने सेवाएं प्रदान की।

बड़ी दीक्षा आत्मा की शुद्धि और वैराग्य की सर्वोच्च साधना : आचार्य कुलबोधिसूरीश्वरजी

नूतन दीक्षित साध्वीद्वय ने ग्रहण किए पंच महाव्रत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भुवनभानु समुदाय के आचार्यश्री कुलबोधिसूरीश्वरजी की निश्रा में नूतन दीक्षित साध्वीद्वय आत्मभानुज्ञनिधिश्रीजी एवं भव्यज्ञभानुश्रीजी का बड़ी दीक्षा महोत्सव बुधवार को गुजराती जैनवाड़ी प्रांगण में उल्लासपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर पंन्यास परमयशविजयजी का सान्निध्य भी प्राप्त हुआ। मंगल मंत्रोच्चार एवं विधि विधान के मध्य आचार्यश्री ने साध्वीद्वय को पंच महाव्रतों का संकल्प प्रदान किया। परमात्मा की साक्षी में साध्वीद्वय ने जीवन पर्यंत मैत्री भाव, वचन की निर्मलता, अनुमति भाव, ब्रह्मचर्य एवं पवित्रता तथा निर्ममत्व के पावन झरनों को आत्मसात करने की प्रतिज्ञा ली। इस भावपूर्ण अवसर पर साध्वीद्वय गहन भक्ति एवं वैराग्य भाव से भावुक नजर आए। बड़ी दीक्षा के पश्चात् अक्षत से स्वागत किया। आचार्यश्री ने कहा कि आज संसार हिंसा, असत्य और परिग्रह की अग्नि में जल रहा है, वहीं साधु जीवन पूर्ण अहिंसा, सत्य, अपरिग्रह एवं आत्मसंयम का जीवंत उदाहरण है। योगशास्त्र में साधु जीवन का विशेषण अनोखे अंदाज में वर्णित है।

उन्होंने कहा कि बड़ी दीक्षा केवल बाह्य परिवर्तन नहीं, बल्कि आत्मा की शुद्धि और वैराग्य की सर्वोच्च साधना है। आचार्यश्री ने अपने गुरुदेव के तप, त्याग और मर्यादा का स्मरण करते हुए बताया कि उन्होंने जीवनपर्यंत पंच महाव्रतों का अत्यंत कठोर पालन किया तथा सूक्ष्म जीवों की रक्षा हेतु अपूर्व जागरूकता रखी। उन्होंने कहा कि जैन धर्म में पंचम महाव्रत 'अपरिग्रह' का विशेष महत्व है, जो आत्मा को ममत्व और आसक्ति से मुक्त करने का मार्ग प्रशस्त करता है। इस व्रत को अन्य धर्मों और संप्रदायों में महत्व नहीं दिया जाता। उन्होंने स्पष्ट किया कि पांच महाव्रतों का अंगीकार बड़ी दीक्षा में होता है। नूतन दीक्षित साधु-साध्वियों द्वारा छठे महाव्रत रात्रि भोजन त्याग सहित कठोर संयमों का पालन मानव जीवन को आध्यात्मिक ऊंचाइयों तक पहुंचाने का माध्यम है। आचार्यश्री ने उपस्थित श्रद्धालुओं को भी पापों से बचने के लिए रात्रि भोजन त्याग एवं संयममय जीवन अपनाने की प्रेरणा दी।

आचार्यश्री ने साध्वीद्वय को हितशिक्षा प्रदान करते हुए कहा कि उन्होंने जब दीक्षा ली, तब समझ थी कि यह संसार असार है। ध्यान रखें, वह समझ कभी छूटे नहीं, श्रद्धा कभी टूटे नहीं और उल्लास कभी खूटे नहीं। जिस श्रद्धा और वैराग्य भाव से संयम मार्ग पर कदम रखा है, वह जीवनभर अडिग बना रहे। धर्म व गुरु के प्रति अखंड श्रद्धा, आत्मविश्वास और उल्लास ही संयम जीवन की वास्तविक शक्ति है। उन्होंने संयम मार्ग की कसौटी पर खरा उतरने की प्रेरणा देते हुए कामना की कि जिस मार्ग पर जा रहे हो, उसका उल्लास सदैव बढ़ता रहे। पंन्यास परमयश विजयजी ने कहा कि साधुपना समता भाव की महान साधना है। समता से ही आत्मा में कोमलता, करुणा और शुद्ध भावों का विकास होता है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक जीव को अपनी आत्मा के समान मानना ही वास्तविक आराधना है। आत्मा के गुणों में स्थित होकर ही निराकार सुख की अनुभूति संभव है। कार्यक्रम के दौरान आचार्यश्री ने मयलापुर एवं शूले संघ के आग्रह पर शिष्य साध्वियों के चातुर्मास की घोषणा भी की। संगीत की प्रस्तुति ने वातावरण में समां बांध दिया। समापन अवसर पर साधर्मिक भक्ति एवं संघ पूजा के विविध धार्मिक आयोजन हुए।

नवरात्र में श्रीमद्भगवत कथा हेतु पंडित विजय गुरु को दिया आमंत्रण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शहर के शारदीय नवरात्र सेवा समिति ट्रस्ट द्वारा आगामी नवरात्र दुर्गा पूजन का आयोजन 11 अक्टूबर से माधावरम के राज राजेश्वरी कल्याण मंडप में करने का निर्णय लिया गया। इस मौके पर श्रीमद्भगवत कथा का श्रवण करवाने हेतु श्रीविद्या शक्ति सर्वस्वयम के संस्थापक पंडित विजयगुरु को आमंत्रित किया गया। सदस्यों ने शुभ सामग्री भेंट कर कथा सुधा रसपान कराने हेतु पंडित विजयगुरुजी को आमंत्रित किया। इस अवसर पर कार्यक्रम के संयोजक डीके पांडेय, हृदेश काबरिया, रामचरित मेहता, सतीश जायसवाल, विजय मेहता, सूर्यकांत त्रिपाठी, पंकजसिंह, मुकेशसिंह, डॉ अशोक कुमार द्विवेदी, बीएन पाठक, सुनील तिवारी, प्रकाश मिश्रा, नीरज पाण्डेय, अवधेश मिश्रा, मनीष मिश्रा, सुदामा पाणिग्रही, बिपिन जायसवाल, प्रीतेश भालोटिया सहित अनेक सदस्यों ने गुरु से भेंट कर आशीर्वाद लिया।

'लव जिहाद' की तरह समाज में आज 'धर्म जिहाद' भी चरम पर है, रोकना होगा : डॉ. समकितमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। डॉ. समकितमुनिजी अपने सहयोगी संतों के साथ बुधवार को सुबह विजयनगर जैन स्थानक से विहार कर सुनील लोढ़ा के निवास स्थान पहुंचे। इस मौके पर प्रवचन देते हुए समकितमुनिजी ने तथाकथित धर्मात्माओं के पाखंड पर गहरी चोट करते हुए कहा, संसारी और पापात्मा का राग-द्वेष बढ़ना तो समझ आता है, लेकिन आज सबसे बड़ी विडंबना यह है कि स्वयं को 'धर्मात्मा' कहने वालों के जीवन में भी राग-द्वेष की बीमारी बहुत गहरी हो गई है। परिणामस्वरूप जीवन में सावद्य प्रवृत्तियां लगातार बढ़ती जा रही हैं। उन्होंने कहा कि यदि धर्म क्रियाएं करके भी तुम्हारे भीतर का राग-द्वेष नहीं छूटा, तो फिर इसे कौन से भव में छोड़ोगे? मानव जीवन और जिनधर्म एक कोहिनूर हीरे के समान हैं। यदि कोई इंसान कोहिनूर पाकर भी कंगाल ही बना रहे, तो वह कभी अमीर नहीं हो सकेगा।

धर्मात्मा के लिए घर, परिवार, धन-दौलत और रिश्ते-नाते छोड़ देना कोई बहुत बड़ी बात नहीं है, सबसे बड़ी और महत्वपूर्ण बात है कि अपने भीतर के 'राग-द्वेष का त्याग' करना। उन्होंने कहा कि आजकल 'लव जिहाद' तो बहुत चर्चा में है, लेकिन समाज में आज 'धर्म जिहाद' भी अपने चरम पर चल रहा है जिसे देख कर भी नजरअंदाज किया जा रहा है। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में धर्म के नाम पर अपनी रोटियां सेंकने के लिए संघ, समाज और धर्म का सरेआम गला घोंटा जा रहा है। चारों ओर केवल अपने स्वार्थ को सिद्ध करने, स्वयं के संप्रदाय को बढ़ाने और दूसरों की परंपराओं को तोड़ने का कार्य जोरों पर चल रहा है। दूसरे को तोड़कर अपने पाले में लाने की अंधी होड़ मची है। धर्म के जो ठेकेदार बन बैठे हैं, उन्होंने धर्म को एक धंधा बना दिया है।

गुरुदेव ने नेतृत्व पर सवाल उठाते हुए कहा, जिनकी जिम्मेदारी इस संघ और समाज को ऊंचाइयों तक ले जाने की थी, यदि वे ही इसका उल्लंघन करने लग जाएं, तो इस समाज की सुरक्षा कौन करेगा? ऐसे विघटनकारी जीवन जीने वाले यदि स्वयं को त्यागी कहें, तो उनके त्याग पर एक बहुत बड़ा प्रश्नचिह्न खड़ा होता है। जो स्वयं मोह-राग को बढ़ावा दे रहे हैं, उनका धर्मात्मा होना ही संदेह के घेरे में है। जनता को सच्ची राह दिखाते हुए संतश्री ने कहा, भोजन, वस्त्र या अन्न-जल के त्याग से तुम्हें दुनिया के लोगों से वाहवाही और जयकारे तो मिल जाएंगे, लेकिन तुम्हारे ऐसे दिखावटी त्याग से परमात्मा कभी प्रसन्न नहीं होगा। यदि कर सको तो किसी को जोड़ने का काम करो, तोड़ने का कार्य कभी मत करो।

इस अवसर पर उद्योगपति सुनील बजाज, प्रकाश बुरड़, शांतिलाल भंडारी, कुमारपाल सिसोदिया, इन्द्रचंद नाहर, शांतिलाल पोखरना, रमेश सिसोदिया, सुरेश छल्लानी, नेमीचंद दलाल, राजेश बोहरा, कैलाश सकलेचा, गौतम ओस्तवाल, उत्तमचंद आच्छा, पारसमल लोढ़ा, रतनलाल सुराणा, प्रकाश पोरवार, दिनेश लोढ़ा, दिनेश खिंवेसरा, चातुर्मास समिति के अनेक सदस्य उपस्थित थे। सुनील लोढ़ा ने सभी को धन्यवाद दिया।

बगड़ीनगर जैन संघ ट्रस्ट ने मुमुक्षु बहनों का किया सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। एसएस जैन संघ ट्रस्ट एवं एसएस जैन बगड़ी नगर चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में पुरुषवाक्कम में रविवार को मुमुक्षु भाविका झाम्बर एवं एकता झाम्बर का सम्मान किया गया। उपस्थित समाजजनों ने मुमुक्षुओं के वैराग्य एवं आध्यात्मिक भावना की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामनाएं दीं।

कार्यक्रम में कन्हैयालाल झाम्बर, भीकमचंद लुंकड़, धर्मीचंद गुलेच्छा, नेमीचंद सिंघवी, वसंतकुमार रांका, अशोकचंद कोठारी, रमेशचंद जांगड़ा, विमलचंद धारीवाल, विनोद पोरवाल, राजेश सुराना, पवन चोपड़ा, मनोहर देवड़ा, महेंद्र देवड़ा, दिलीप रांका, सुरेश कुमार मुथा, विमल मुथा, हरीश धारीवाल एवं सैकड़ों श्रावक-श्राविकाएं उपस्थित थे।

एक दिवसीय 'अग्र ट्रेड मेगा सेमिनार' का आयोजन कल, तैयारियां पूर्ण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। स्थानीय अग्र ट्रेड द्वारा शहर में 'बिजनेस ग्रोथ मेगा सेमिनार' का आयोजन 15 मई को किया जा रहा है। व्यापारिक एवं उद्यमी समुदाय के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण एवं प्रेरणादायक पहल के रूप में चेन्नई के आईटीसी ग्रैंड चोला में मेगा बिजनेस वर्कशॉप डबल योर प्रॉफिट का आयोजन किया जा रहा है। इस एक दिवसीय सेमिनार में भारत के प्रसिद्ध बिजनेस कोच राहुल जैन उद्यमियों, उद्योगपतियों एवं व्यापारियों को व्यवसाय वृद्धि, प्रॉफिटेबिलिटी, आधुनिक बिजनेस सिस्टम, सेल्स एक्सपैंशन, टीम मैनेजमेंट एवं बिजनेस स्केलिंग से जुड़ी व्यावहारिक एवं प्रभावशाली रणनीतियों पर मार्गदर्शन देंगे। लगातार 14 वर्षों से व्यापारिक समाज को नेटवर्किंग, ज्ञानवर्धन एवं व्यवसायिक अवसरों का सशक्त मंच प्रदान करने वाला अग्र ट्रेड इस आयोजन के माध्यम से व्यापारिक समुदाय के लिए एक नया मानदंड स्थापित करने जा रहा है।

अग्र ट्रेड के अध्यक्ष राम रूंगटा ने कहा कि आज के बदलते एवं प्रतिस्पर्धात्मक व्यावसायिक परिवेश में केवल मेहनत पर्याप्त नहीं है। व्यवसाय को नई ऊँचाइयों तक ले जाने के लिए सही सोच, सही सिस्टम एवं सही मार्गदर्शन अत्यंत आवश्यक है। यह कार्यक्रम निश्चित रूप से व्यापारियों एवं उद्यमियों के लिए परिवर्तनकारी सिद्ध होगा। सचिव सुमित केड़िया ने बताया कि कार्यक्रम को लेकर सदस्यों एवं व्यापारिक समुदाय में भारी उत्साह देखा जा रहा है।

कार्यक्रम के चेयरमैन रवि सर्राफ ने कहा कि अग्र ट्रेड सदैव अपने सदस्यों को केवल नेटवर्किंग तक सीमित न रखकर वास्तविक बिजनेस ट्रांसफॉर्मेशन, आधुनिक सीख एवं व्यावहारिक व्यापारिक समाधान उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध रहा है।

'डबल योर प्रॉफिट' इसी दिशा में एक प्रभावशाली एवं दूरदर्शी पहल है। इस आयोजन के सह अध्यक्ष साकेत बजाज, कार्तिक गुप्ता एवं अनहय अग्रवाल आयोजन की तैयारियों में जुटे हुए हैं।

जीतो बेंगलूरु साउथ और बल्लारी चैप्टर के बीच आयोजित हुई इंटरचैप्टर मीट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन (जीतो) साउथ और जीतो बल्लारी चैप्टर की इंटरचैप्टर मीट बल्लारी जीतो कार्यालय में हुई। बैठक का उद्देश्य चैप्टरों के बीच सहयोग को मजबूत करना और व्यापारिक विकास को बढ़ावा देना था। इस मीट ने दोनों चैप्टरों के सदस्यों को विचारों का आदान-प्रदान करने, व्यावसायिक अवसरों की खोज करने और रणनीतिक साझेदारी बनाने का मंच प्रदान किया। उपस्थित सदस्यों ने नेटवर्किंग, उद्योग संबंधी जानकारी और आपसी विकास के लिए वन-ऑन-वन संवाद में भाग लिया। सभा को संबोधित करते हुए बेंगलूरु साउथ चेयरमैन रंजीत सोलंकी ने बताया कि इंटरचैप्टर तालमेल से व्यावसायिक संबंधों में विस्तार होता है और जीतो का आर्थिक सशक्तिकरण मिशन आगे बढ़ता है। उन्होंने बल्लारी चैप्टर के सदस्यों को जेबीएन और जेपीएफ कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया जिससे न केवल सदस्यों के बीच नेटवर्किंग बढ़ेगी बल्कि बल्लारी चैप्टर को जेबीएन और जेपीएफ में विकास करने में भी मदद मिलेगी।ङ्गबैठक में साउथ के चेयरमैन रंजीत सोलंकी, केकेजी ज़ोन संयोजक महावीर भूरट और केकेजी जोन के पूर्व अल्पसंख्यक संयोजक सज्जनराज मेहता शामिल हुए। बल्लारी चैप्टर के चेयरमैन नीलेश जैन ने प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया और बल्लारी में आयोजित कार्यक्रमों व पहलों की जानकारी दी। मुख्य सचिव राकेश सालेचा ने सभी को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम का समापन सार्थक चर्चाओं, नए व्यावसायिक संबंधों और चैप्टरों के बीच भविष्य के सहयोग की साझा प्रतिबद्धता के साथ हुआ।

मन की इच्छा, तृष्णा और आकांक्षाओं को कम करने से ही दुःख कम हो सकते हैं : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

बल्लारी/दक्षिण भारत । शहर के फोर्ट क्षेत्र में आयोजित त्रिदिवसीय कृतज्ञता महोत्सव के समापन समारोह में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि जागतिक संतुलन बिगड़ता जा रहा है। प्रकृति रूठ रही है। पानी कम होता जा रहा है। फिर भी उसका दुरुपयोग रोका नहीं जा रहा। आने वाले युग में संसाधन कम पड़ जाएंगे, वे अधिक महंगे हो जाएंगे। सामान्य जीवन जीना भी दूभर हो जाएगा। इधर बीमारियां बढ़ती जा रही हैं फिर भी मनुष्य प्राकृतिक जीवन को छोड़कर कृत्रिम जीवन की ओर आगे बढ़ रहा है। रात को जल्दी शयन करना और सवेरे जल्दी जागृत होना, स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है लेकिन आधुनिक समाज मध्यरात्रि तक नहीं सो रहा और सवेरे समय पर नहीं जाग रहा। भोजन की सात्विकता, शुद्धता और नियमितता भी समाप्त हो गई है। शरीर की प्रकृति से प्रतिकूल, बेवक्त और अमर्यादित आहार चर्या हानिकारक है। ताजे भोजन के बजाय जंक और पैकफूड की आदतें बढ़ती जा रही है। यह सब बहुत घातक सिद्ध होने वाला है। आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि सोशल मीडिया आ जाने के बाद लोगों की मानसिकता बदल गई है। नित नई वस्तुओं और विज्ञापनों से सामान्य व मध्यम वर्ग के लोग भी मोहित हो रहे है। इच्छाएं और आकांक्षाएं बढ़ गई हैं। साधन-सामग्रियों का अधिक से अधिक भोग-उपभोग करने की लालसाएं जग गई हैं। मितव्ययता समाप्त हो रही है। पैसों का मूल्यांकन कम हो गया है। धन का दुरुपयोग हो रहा है।

जाति का अभिमान करने वाला हंसी का पात्र बनता है : राष्ट्रसंत कमलमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के हीराबाग जैन स्थानक में विराजित राष्ट्रसंतश्री कमलमुनिजी कमलेश ने कहा कि जन्म के समय किसी के सिर पर धर्म और जाति नहीं लिखी होती है, सबकी नसों में लाल खून होता है यदि भगवान को भेद स्वीकार होता तो किसी का खून लाल और किसी का खून हरा कर देते। जन्म से कोई ऊंचा और नीचा नहीं होता है, सामान्य कुल में जन्म लेकर अच्छे काम करें तो हम महान होते है और ऊंचे कुल में जन्म लेकर नीचे काम करें तो नीच होता है। उन्होंने कहा कि जाति के आधार पर मानव मानव में भेद करना, धर्म और परमात्मा का अपमान करने के समान है। जाति का अभिमान करने वाला हंसी का पात्र बनता है, दुर्गति में जाता है। जब व्यक्ति भक्ति करता है तो ब्राह्मण है, सफाई करता है तो शुद्र है, व्यापार करता है तो वणिकहै, रक्षा करें तो क्षत्रिय है, यह जाति के चार वर्ण हैं। ङ्ग राष्ट्रसंत ने कहा कि छुआछूत किसी भी रूप में हो, मानवता पर कलंक और सभ्य समाज के लिए अभिशाप है। इस मानसिकता से ग्रसित व्यक्ति इंसान कहलाने लायक नहीं है। उन्होंने कहा कि किसी आत्मा को हल्का मानकर दुर्व्यवहार करना सबसे महान हिंसा है। सब में परमात्मा का अंश विद्यमान है उनका सम्मान करना परमात्मा का सम्मान करने के समान है। अंत में कहा कि जातिवाद का जहर फैलाकर नफरत पैदा करने वाले, भेद की दीवार खड़े करने वाले, धर्म और परमात्मा के कट्टर शत्रु हैं। इस मौके पर संघ के डॉ भीकमचंद सहित अन्य लोगों ने संतों का स्वागत किया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.